मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 51
शुक्रवार, 28 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

नेपाल में बाढ़ से महाप्रलयः अब तक 359 लोगों की मौत, 30 देशों के नागरिक लापता; अगले 3 दिन भारी

काठमांडू, 27 अगस्त। नेपाल में कुदरत का भीषण कहर टूटा है। बुधवार को बाढ़ और भूस्खलन के कारण देश में हाहाकार मचा हुआ है, जिससे मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ की वजह से अब तक 359 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 30 देशों के नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। प्रशासन ने चेतावनी जारी की है कि अगले 3 दिन प्रभावित इलाकों के लिए बेहद भारी हो सकते हैं।

नेपाल पुलिस के प्रवक्ता अबी नारायण कफ्ले ने मौत के संशोधित आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि की है। पुलिस द्वारा शाम 5 बजे तक बाढ़ प्रभावित आठ जिलों से 359 शव बरामद किए जा चुके हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, रसुवा से 17 शवों को बरामद किया गया, जबकि नौकोट से 28, धडिंग से 33, चितवान से 132, गोरखा से 30, तानाहुन से 22, नवलपारसी ईस्ट से 82 और नवलपारसी वेस्ट से 15 शव बरामद किए गए हैं। बाढ़ग्रस्त इलाकों में नेपाल पुलिस, सेना और अन्य आपदा प्रबंधन एजेंसियां दिन-रात युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। नेपाल की सेना ने एक बड़े अभियान में भोटेकोशी बाढ़ में फंसे 241 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। हालात का जायजा लेने और राहत कार्यों की निगरानी के लिए नेपाल के पीएम बालेन शाह खुद त्रिशूली स्थित सेना के ट्रेनिंग कैंप पहुंचे हैं। इस कैंप को मुख्य केंद्र बनाकर प्रभावित दुर्गम इलाकों में हेलीकॉप्टरों के जरिए बड़े पैमाने पर हवाई रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि फंसे हुए लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

किसान 50 हजार न चुकाए तो सख्ती, मित्रों को बैंक का पैसा लेने की छूट, राहुल का बीजेपी पर हमला

नयी दिल्ली, 27 अगस्त। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने व्यवसायी सुभाष चंद्रा के मामले में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा मंजूर पुनर्भुगतान योजना को लेकर बृहस्पतिवार को दावा किया कि एनएसीएलटी का मतलब "नेता-कंपनी लूट ट्रिब्यूनल" है। उनके दावे पर फिलहाल चंद्रा और उनकी कंपनी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर दावा किया कि एनसीएलटी का मतलब "नेता-कंपनी लूट ट्रिब्यूनल" है। उन्होंने कहा, "किसान 50 हजार न चुकाए तो जमीन नीलाम हो जाती है। वेतनभोगी वर्ग एक किश्त न भर पाएं तो घर पर बैंक के गुंडे पहुंच जाते हैं। गरीब छात्रों को तो शिक्षा तक के लिए लोन नहीं मिलता। मगर, चुनिंदा ₹मित्रों₹ के लिए बैंक का पैसा निजी संपत्ति है - कितना भी निकालो, जो मर्जी चुकाओ।" कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने देश में दो व्यवस्थाएं बना रखी हैं, एक चंद अरबपतियों के लिए, दूसरी बाकी सबके लिए है।

इससे पहले, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि वित्तीय शब्दावली में जब लेनदारों को बकाया रकम का केवल एक हिस्सा मिलता है तो अंतर को प्रतिशत के रूप में 'हेयरकट' कहा जाता है। उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण ने अभी एक जाने-माने कारोबारी की पुनर्भुगतान योजना को मंजूरी दी है, जिसके तहत लेनदारों को करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के स्वीकृत दावों के मुकाबले केवल 6.5 करोड़ रुपये मिलेंगे।" कांग्रेस महासचिव ने कहा, "यह सिर्फ हेयरकट नहीं है। यह वास्तव में मुंडन है और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 का पूरा मजाक बनाता है।" एनसीएलटी ने मीडिया कारोबारी सुभाष चंद्रा की व्यक्तिगत दिवाला समाधान प्रक्रिया में करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के स्वीकृत कर्ज दावों के निपटान के लिए 6.5 करोड़ रुपये के भुगतान वाली पुनर्भुगतान योजना को मंजूरी दी है। इस योजना को मंजूरी मिलने से कर्जदाताओं को करीब 99.97 प्रतिशत बकाया का नुकसान (हेयरकट) स्वीकार करना होगा।

परिसीमन प्रक्रिया को लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चेताया, कहा- बिना चर्चा कोई बड़ा फैसला न लें

नई दिल्ली, 27 अगस्त। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को प्रस्तावों की विस्तार से समीक्षा करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। गुरुवार को लिखे अपने पत्र में, खड़गे ने 16 जुलाई, 2026 को की गई अपनी पिछली अपील का ज़िक्र किया, जो इस मामले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की खबरों के बाद की गई थी। खड़गे ने कहा कि मैंने पिछली बार आपको 16 जुलाई, 2026 को पत्र लिखकर परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। उन्होंने आगे कहा कि मैंने आपसे यह भी अनुरोध किया था कि संसद के किसी भी विशेष सत्र में, जिस पर आप विचार कर रहे हों, इन प्रस्तावों को पेश करने से पहले सभी राजनीतिक दलों को इनका विस्तार से अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए।खड़गे ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी का साफ रुख दोहराया कि इंडियन नेशनल कांग्रेस का रुख बिल्कुल साफ है। लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या को अगले 25 सालों तक बनाए रखा जाए। उन्होंने लोकसभा सीटों के मौजूदा राज्य-वार बंटवारे को भी जारी रखने की मांग करते हुए कहा कि लोकसभा में राज्यों के हिसाब से सीटों की मौजूदा संख्या को अगले 25 सालों तक बनाए रखा जाए। साथ ही, उन्होंने 2029 के लोकसभा चुनावों से महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण लागू करने की मांग की।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के हालिया बयानों का ज़िक्र करते हुए, जिनमें संसद का एक विशेष सत्र बुलाने का संकेत दिया गया था, खड़गे ने अपनी मांग दोहराई कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री के संकेत के अनुसार आगे बढ़ने से पहले, मैं आपसे अपनी पुरानी मांग दोहराना चाहता हूं कि आप सभी राजनीतिक दलों की एक बैठक बुलाएं ताकि परिसीमन (सीटों के नए बंटवारे) से जुड़े आपके प्रस्तावों पर चर्चा की जा सके।

आखिरी दिन चार विकेट नहीं गिरा सका भारत, सोनल की जुझारू पारी से श्रीलंका ने ड्रॉ कराया दूसरा टेस्ट

कोलंबो, 27 अगस्त। सोनल दिनुषा की जुझारू और नाबाद शतकीय पारी के दम पर श्रीलंका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट को ड्रॉ करा लिया। पांचवें दिन भारत को जीत के लिए श्रीलंका के आखिरी चार विकेट झटकने थे, लेकिन भारतीय गेंदबाज दिनभर की कोशिश के बावजूद ऐसा नहीं कर सके। श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी 429/9 पर घोषित की और दोनों टीमों ने मैच ड्रॉ कराने पर सहमति जताई। हालांकि, भारत ने पहला टेस्ट 165 रन से जीतने के बाद दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। यह भारत की जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज जीत के बाद पहली विदेशी टेस्ट सीरीज जीत है। शुभमन गिल की कप्तानी में भी यह पहली विदेशी टेस्ट सीरीज विजय रही। दिनुषा ने पांचवें दिन 264 गेंदों पर नाबाद 133 रन की पारी खेली। उन्होंने करीब 420 मिनट तक बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसाए रखा। दिनुषा ने इस सीरीज में अपना तीसरा शतक लगाया और चारों पारियों में 50 से ज्यादा का स्कोर बनाने का कारनामा किया। सीरीज में उनका प्रदर्शन बेहद खास रहा। उन्होंने दो टेस्ट में कुल 722 गेंदों का सामना करते हुए 1139 मिनट क्रीज पर बिताए। दूसरे टेस्ट की पहली पारी में भी उन्होंने 103 रन बनाए थे, जबकि गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा था। दिनुषा ने इस मुकाबले में एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह फॉलोऑन खेलने के बाद एक ही टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाने वाले दुनिया के सिर्फ तीसरे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले भारत के विजय हजारे और जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। श्रीलंका ने पांचवें दिन अपनी दूसरी पारी को 229/6 से आगे बढ़ाया। उस समय टीम के पास महज 16 रन की बढ़त थी और भारत की जीत लगभग तय नजर आ रही थी। लेकिन दिनुषा और केशरा नुवंथा ने भारतीय गेंदबाजों के सामने मोर्चा संभाल लिया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की। नुवंथा ने 150 गेंदों पर 46 रन बनाए। दोनों ने पहले सत्र में एक भी विकेट नहीं गिरने दिया और श्रीलंका को संकट से बाहर निकाला। लंच के बाद भारत को पहली सफलता मिली। मानव सुथार ने नुवांथा को आउट किया और ध्रुव जुरेल ने स्लिप में उनका कैच पकड़ा।

नुवांथा के आउट होने के बाद दिनुषा ने प्रबाथ जयसूर्या के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 25 रन जोड़े। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने जयसूर्या को स्लिप में कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। हालांकि, भारत को इसके बाद भी जीत की राह नहीं मिली। लाहिरु कुमारा ने दिनुषा का बखूबी साथ दिया। दोनों ने नौवें विकेट के लिए 47 रन जोड़े और 170 गेंदों तक भारतीय गेंदबाजों को विकेट से दूर रखा। कुमारा 12 रन बनाकर जडेजा का शिकार हुए। इसके बाद असिता फर्नांडो ने 24 गेंदों का सामना करते हुए दिनुषा का साथ दिया और उन्हें आउट नहीं होने दिया।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में उग्रवादियों के हमले में 4 लोगों की मौत, एक व्यक्ति घायल

मणिपुर, 27 अगस्त। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बृहस्पतिवार को सशस्त्र उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर एक वाहन पर किये गये हमले में कम से कम चार लोग मारे गए, जबकि एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मकुई अशांग और थाबंबा नगा इलाकों के बीच एक सुनसान जगह पर उग्रवादियों ने घात लगाकर एक गाड़ी पर हमला किया, जिसमें चार लोग मारे गये एवं एक व्यक्ति घायल हो गया। अधिकारियों का कहना है कि इस हमले में हताहत हुए सभी लियांगमाई नगा समुदाय से थे। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान टैडसोंगबोउ रिंगकांगमाई (एक निजी विद्यालय के संस्थापक और प्राचार्य), एम विजुनमाई, अनिल विजुनमाई और विसोबोउ चारेनामाई (जो चावांगकिइनिंग विलेज अथॉरिटी के अध्यक्ष थे) के तौर पर हुई है। उन्होंने कहा कि शवों को सेनापति ज़िला अस्पताल लाया जा रहा है। घायल व्यक्ति की पहचान गायकमांग रिंगकांगमई के रूप में हुई। इस हमले के बाद, 'नगा पीपुल्स ऑगेर्नाइजेशन' ने सेनापति ज़िला मुख्यालय शहर में दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद करवा दिया।

अवकाश

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर 28 अगस्त को उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक का प्रकाशन बंद रहेगा।

-संपादक

'पत्नी को सास-ससुर की सेवा करने या घर के काम के लिए मजबूर नहीं कर सकता पति', कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला

बेंगलुरु, 27 अगस्त। कर्नाटक हाई कोर्ट ने एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा है कि कोई भी पुरुष किसी भी महिला को, जिसमें उसकी पत्नी भी शामिल है, घर के काम करने और अपने माता-पिता की देखभाल करने का आदेश नहीं दे सकता। हाई कोर्ट का कहना है, 'घर के कामों में पुरुषों और महिलाओं की बराबर हिस्सेदारी होनी चाहिए। अगर माता-पिता की देखभाल की जरूरत हो तो यह मुख्य रूप से बेटे या बेटी की जिम्मेदारी होती है न कि दामाद या बहू की।'

जस्टिस चिल्लाकुर सुमलता ने 3 अगस्त को नेलमंगला तालुक के एक निवासी की याचिका खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा कि दामाद या बहू द्वारा ससुराल वालों की देखभाल करना अपनी मर्जी से होना चाहिए, न कि जबरदस्ती। याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में तुमकुरु की फैमिली कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी। फैमिली कोर्ट ने युवक को उसे अपनी पत्नी को गुजारा-भत्ता (मेंटेनेंस) के तौर पर 5,000 रुपये और अपनी नाबालिग बेटी को 4,000 रुपये देने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि वह एक मजदूर (कुली) है और तय की गई रकम बहुत ज्यादा है क्योंकि उसे अपने बूढ़े माता-पिता की देखभाल भी करनी है। उसने आगे कहा कि शादी के छह महीने बाद ही उसकी पत्नी का अपने सास-ससुर के प्रति रवैया बदल गया और उसने घर के काम करने या उनकी देखभाल करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अपनी पत्नी पर आरोप लगाया कि बिना उसकी या उसके माता-पिता की इजाजत के कई बार अपने मायके चली गई थी। जस्टिस चिल्लाकुर सुमलता ने कहा कि याचिकाकर्ता की दलील से तो किसी भी सामान्य समझ वाले व्यक्ति को ऐसा लगेगा जैसे याचिकाकर्ता/पति ने प्रतिवादी/पत्नी को घर के काम करने और अपने माता-पिता की देखभाल करने के लिए एक कर्मचारी के तौर पर रखा हो।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
बिल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

-ललित गर्ग

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है।

अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वार्ताकार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया

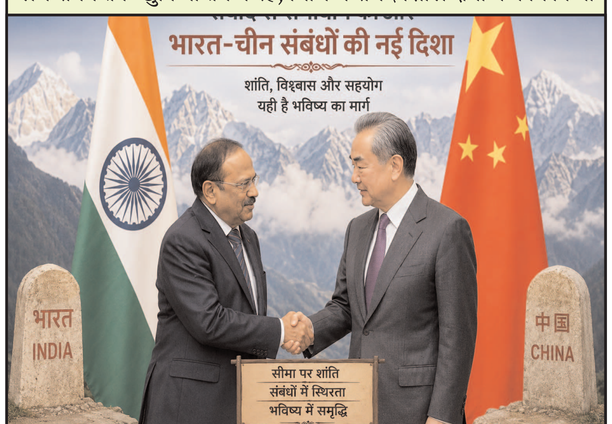

और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया।

भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत-चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश-मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है।

शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए। डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है-भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं। आज भारत-चीन संबंध जिस मोड़ पर खड़े हैं, वहां डोभाल की भूमिका संकटमोचक से आगे बढ़कर विश्वास-निमार्ता और सुरक्षा-आधारित कूटनीति के सूत्रधार की बनती दिखाई देती है। 25वें दौर की वार्ता में हुई आठ सूत्रीय सहमति इसका प्रमाण है कि कठिनतम मतभेदों के बीच भी संवाद के रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा इस प्रक्रिया को शीर्ष नेतृत्व की राजनीतिक दिशा दे सकती है। किंतु असली सफलता किसी एक शिखर बैठक की तस्वीर में नहीं, बल्कि सीमा पर स्थायी शांति, पारस्परिक विश्वास, व्यापारिक संपर्क और विवादों के न्यायसंगत समाधान में होगी। भारत को चीन से संबंध सुधारने हैं, लेकिन अपनी सामरिक स्वायत्तता और सुरक्षा-सजगता के साथ। डोभाल की कूटनीति का सार भी यही है-संवाद के दरवाजे खुले रहें, पर राष्ट्रीय हितों की चौखट कभी कमजोर न हो। यही दृष्टिकोण भारत-चीन संबंधों को टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व और अंततः स्थायी शांति की ओर ले जाने की सबसे व्यावहारिक राह बन सकता है।

नेपाल संकट में भारत की सदाशयता: हालिया प्रलय और 'पड़ोसी पहले' की नीति का एक अनुकरणीय अध्याय

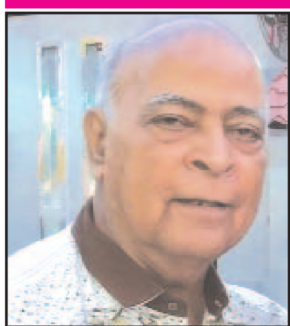

अशोक भाटिया

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और कूटनीति के आधुनिक सिद्धांतों में 'पड़ोसी पहले' की नीति को साझा सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक नियति का प्रतिबिंब माना जाता है। इतिहास गवाह है कि जब भी नेपाल पर कोई विपत्ति आई है, भारत ने हमेशा 'प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता' के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। भारत का यह दृष्टिकोण केवल राजनीतिक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह उस 'रोटी-बेटी के रिश्ते' और 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना से प्रेरित है, जो दोनों देशों के जनमानस के दिलों में सदियों से रची-बसी है।

नेपाल के संदर्भ में भारत की यह सहायता नीति किसी रणनीतिक लाभ या भू-राजनीतिक सौदेबाजी पर आधारित नहीं है। इसके विपरीत, यह एक बड़े भाई के उस दायित्व जैसी है जो बिना किसी शर्त के अपने छोटे भाई की संप्रभुता, समृद्धि और सुरक्षा के लिए तत्पर रहता है। संकट की घड़ियों में भारत ने जिस तत्परता और निस्वार्थ भाव से नेपाल का हाथ थामा है, उसने वैश्विक कूटनीति में आपदा प्रबंधन और मानवीय सहायता का एक नया प्रतिमान स्थापित किया है।

हाल ही में (26 अगस्त 2026) नेपाल-तिब्बत सीमा पर स्थित भोटेकोशी और त्रिशूली नदी घाटियों में एक अभूतपूर्व और प्रलयकारी प्राकृतिक आपदा देखने को मिली है। यह अचानक आई भयानक बाढ़ हिमालयी क्षेत्र के नाजुक पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों का साक्षात प्रमाण है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार, पहाड़ों के उच्च शिखर पर एक विशाल ग्लेशियर के टूटने और उसके कारण हुए तीव्र भूस्खलन ने भोटेकोशी नदी के मार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। यह भूस्खलन इतना शक्तिशाली था कि भूकंपीय तरंगों ने इसे स्थानीय स्तर पर रिक्टर स्केल पर 5.2 तीव्रता के रूप में दर्ज किया।

जैसे ही मलबे का यह प्राकृतिक बांध टूटा, पानी और भारी कीचड़ का एक भयावह रेला 30 फीट ऊंची लहरों के रूप में निचले इलाकों की तरफ बढ़ा। इस प्रलय ने उत्तरी नेपाल के रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जिलों में भीषण तबाही मचाई है। चीन के तिब्बत क्षेत्र स्थित जाइरोंग पोर्ट से लेकर नेपाल के सीमावर्ती बस्तियों तक पूरा इलाका कीचड़ और मलबे में दफन हो गया है। इस त्रासदी में अब तक 160 से अधिक लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है और 750 से अधिक लोग लापता हैं, जिनमें स्थानीय पनबिजली परियोजनाओं के कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी और बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक शामिल हैं। विशेष रूप से, पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा के मार्ग पर होने के कारण वहां करीब 133 भारतीय तीर्थयात्री और पर्यटक भी लापता या फंसे हुए हैं, जिनकी सुरक्षा को लेकर दोनों देशों की चिंताएं चरम पर हैं। बाढ़ का वेग इतना भीषण था कि इसने नेपाल-चीन व्यापार की लाइफलाइन माने जाने वाले कई प्रमुख पुलों, रणनीतिक राजमार्गों, दर्जनों गांवों और कम से कम 12 निमार्णाधीन व संचालित जलविद्युत परियोजनाओं को पूरी तरह से मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया है।

इस महासंकट के सामने आते ही भारत ने पलक झपकते ही अपनी 'फर्स्ट रेस्पॉन्डर' की भूमिका को धरातल पर उतारा। आपदा के कुछ ही घंटों के भीतर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से सीधी बात की और भारत की ओर से बिना शर्त पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कूटनीतिक औपचारिकताओं से परे

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

हटकर भारतीय वायुसेना ने तुरंत अपने विशेष सी-130जे सुपर हरक्यूलिस मालवाहक विमान को काठमांडू के लिए रवाना किया, जो 10 टन से अधिक आपातकालीन मानवीय सहायता और चिकित्सा सामग्री की पहली खेप लेकर पहुंचा। इस राहत सामग्री में प्रभावित परिवारों के लिए तिरपाल, वाटरप्रूफ टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, जल शोधन के लिए क्लोरीन की गोलियां और भारी मात्रा में जीवन रक्षक दवाएं शामिल थे। इसके समानांतर, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल के गृह मंत्रालय और नेपाली सेना के साथ मिलकर एक 24x7 विशेष समन्वय केंद्र और हेल्पलाइन की शुरूआत की है। दुर्गम पहाड़ी घाटियों में फंसे भारतीय नागरिकों, तीर्थयात्रियों और नेपाली भाइयों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय खोजी टीमों और नेपाली सेना के हेलीकॉप्टरों द्वारा संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मलबे के कारण संचार और बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाने के कारण, भारत ने नेपाल को सैटेलाइट फोन और तकनीकी सहायता भी प्रदान की है ताकि दुर्गम इलाकों से संपर्क बहाल किया जा सके। भारत का यह आपदा प्रबंधन केवल नेपाल की भौगोलिक सीमा के भीतर राहत पहुंचाने तक सीमित नहीं है। चूंकि नेपाल की यह उफनती नदियां अंततः भारत के मैदानी इलाकों में प्रवेश करती हैं, इसलिए भारत सरकार इस प्राकृतिक आपदा को एक साझा संकट के रूप में देख रही है। भोटेकोशी और त्रिशूली का यह पानी बिहार की गंडक (नारायणी) और उत्तर प्रदेश की नदियों में भारी मात्रा में मलबा और पानी ला रहा है, जिससे भारत के सीमावर्ती जिलों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

इस आसन्न खतरे को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय के समन्वय से उत्तर प्रदेश और बिहार सरकारों ने अपनी सीमा पर हाई-लेवल अलर्ट जारी कर दिया है। वाल्मीकिनगर बराज सहित सभी प्रमुख तटबंधों पर जलस्तर की निगरानी के लिए विशेषज्ञों और इंजीनियरों की टीमें तैनात की गई हैं। इस कठिन समय की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि दोनों देशों का स्थानीय प्रशासन वास्तविक समय के डेटा को आपस में साझा कर रहा है। ऊपरी क्षेत्रों से आने वाले पानी के वेग की सटीक जानकारी भारत को मिल रही है, जिससे भारत अपने निचले इलाकों में जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए पूर्व-तैयारी कर पा रहा है। यह आपसी तालमेल दिखाता है कि संकट के समय दोनों देश राजनीतिक सीमाओं को भूलकर एक ही परिवार की तरह काम करते हैं।

अगस्त 2026 की यह बाढ़ पहली घटना नहीं है जब भारत ने नेपाल की ढाल बनकर अपनी प्रतिबद्धता दिखाई हो। वर्ष 2015 का नेपाल भूकंप इसका एक ऐतिहासिक उदाहरण है, जब भीषण भूकंप ने नेपाल के बुनियादी ढांचे को तोड़ दिया था। तब भारत ने कुछ ही घंटों के भीतर 'ऑपरेशन मैत्री' शुरू किया था, जो किसी भी विदेशी भूमि पर भारत का सबसे बड़ा नागरिक राहत अभियान था। भारतीय जवानों ने मलबे से जिंदगियां निकाली थीं और भारत ने नेपाल के दीर्घकालिक पुनर्निर्माण के लिए एक अरब डॉलर की आर्थिक सहायता दी थी।

इसी तरह, कोविड-19 महामारी के दौरान जब दुनिया स्वार्थी 'वैक्सीन राष्ट्रवाद' से घिरी थी, तब भारत ने 'वैक्सीन मैत्री' पहल के तहत कोविशील्ड टीकों की लाखों खुराकें मुफ्त अनुदान के रूप में नेपाल भेजी थीं। नेपाल में ऑक्सीजन का संकट गहराने पर भारत ने घरेलू किल्लत के बावजूद सीमाओं को खुला रखा और टैंकरों के माध्यम से लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की थी।

एक भू-आबद्ध देश होने के कारण नेपाल की आर्थिक प्रगति काफी हद तक भारत के पारगमन मार्गों पर निर्भर है। भारत ने नेपाल को हमेशा एक संप्रभु और सक्षम राष्ट्र बनाने के लिए अपने बुनियादी ढांचे के द्वार खोले हैं। भारत-नेपाल सीमा पर एकीकृत जांच चौकियां और जयनगर-बदीर्बास जैसी सीमा पार रेल लिंक दोनों देशों के बीच व्यापार को आधुनिक बना रहे हैं। दक्षिण एशिया की पहली सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन (मोतिहारी-अमलेखगंज पाइपलाइन) भारत की ही देन है, जिसने नेपाल की ईंधन सुरक्षा को हमेशा के लिए सुनिश्चित कर दिया है। इसके अलावा, ऊर्जा क्षेत्र में अरुण-3 जलविद्युत परियोजना जैसी विशाल पहलों के जरिए भारत ने नेपाल को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया है। वर्तमान में नेपाल अपनी अतिरिक्त बिजली भारत को बेचकर अरबों रुपये का राजस्व कमा रहा है। हाल ही में भारत के डिजिटल भुगतान सिस्टम को नेपाल में लागू किया गया है, जिसने सीमा पार वित्तीय लेनदेन और पर्यटन को बेहद सुगम बना दिया है।

संक्षेप में, नेपाल के प्रति भारत की नीतियां और हालिया बाढ़ आपदा में उसकी त्वरित प्रतिक्रिया यह साबित करती है कि भारत केवल एक बड़ा पड़ोसी देश नहीं, बल्कि सुख-दुख का एक विश्वसनीय साथी है। भू-राजनीतिक समीकरणों में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, और बाहरी ताकतें (जैसे चीन का ऋण-जाल आधारित बीआरआई निवेश) नेपाल को लुभाने की कोशिश कर सकती हैं, लेकिन भारत का मानवीय और निस्वार्थ सहयोग किसी रणनीतिक सौदेबाजी पर निर्भर नहीं है। अगस्त 2026 की इस त्रासदी ने पशुपतिनाथ से काशी विश्वनाथ तक फैले सांस्कृतिक ताने-बाने और दोनों देशों के बीच की खुली सीमा की प्रासंगिकता को और गहरा कर दिया है। वैश्विक पटल पर जब भी पड़ोसियों के प्रति उदारता, सह-अस्तित्व और जिम्मेदारी की बात होगी, संकट की इस घड़ी में नेपाल की ढाल बनकर खड़ा रहने का भारत का यह संकल्प हमेशा एक बेमिसाल अध्याय के रूप में याद किया जाएगा।

गांधी फैमिली की सनातन के प्रति पूर्वाग्रह सोच

भारतीय राजनीति और इतिहास में नेहरू-गाँधी परिवार का प्रभाव दशकों तक रहा है। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज के समय तक, इस परिवार के नेतृत्व में नीति-निर्माण और सांस्कृतिक विमर्श तय किए गए। आलोचकों और सांस्कृतिक विचारकों का एक बड़ा वर्ग मानता है कि इस परिवार की वैचारिक दिशा कभी भी सनातन संस्कृति के अनुकूल या उसके गौरव को बढ़ाने वाली नहीं रही। इस दृष्टिकोण के अनुसार, पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर वर्तमान में राहुल गाँधी तक, इस परिवार ने बार-बार ऐसे निर्णय लिए और बयान दिए जिन्हें सनातन संस्कृति को कमतर दिखाने या उसे चोट पहुँचाने के प्रयास के रूप में देखा जाता है। इसके विपरीत, अन्य धर्मों की सामाजिक कुरीतियों या कट्टरता पर इस परिवार का रुख अक्सर उदासीन या तुष्टिकरण से प्रेरित रहा है। हाल ही में पुणे में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करते हुए राहुल गाँधी ने सनातन के ग्रंथों पर निशाना साधा। उन्होंने मनुस्मृति के ९वें अध्याय के तीसरे श्लोक ('पिता रक्षति कौमारे...') का आधा-अधूरा हवाला देते हुए दावा किया कि यह ग्रंथ महिलाओं की स्वतंत्रता के खिलाफ है और इसे उन्होंने 'शर्मनाक' बताया। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर 'मनुस्मृति माइंडसेट' रखने का आरोप लगाया। आलोचकों और विचारकों ने राहुल गाँधी के इस ज्ञान को बेहद निंदनीय और चयनात्मक बताया। सनातन समाज में आज कोई भी मनुस्मृति को कानूनी या व्यावहारिक संहिता नहीं मानता। इसके विपरीत, राहुल गाँधी ने जानबूझकर सनातन संस्कृति को महिला-विरोधी दिखाने के लिए इसका सहारा लिया, जबकि वे अन्य धर्मों के ग्रंथों (जैसे कुरान या बाइबिल) में महिलाओं को लेकर लिखी गई रूढ़िवादी बातों या बुर्का प्रथा जैसी कुरीतियों पर पूरी तरह चुप्पी साध जाते हैं।

नेहरू गांधी परिवार में सनातन धर्म को नीचा दिखाने की शुरूआत देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय से ही शुरू हो गई थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू पश्चिमी विचारों और समाजवाद से अत्यधिक प्रभावित थे। उन्होंने भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने की वकालत की, लेकिन आलोचकों का मानना है कि उनकी धर्मनिरपेक्षता केवल बहुसंख्यक सनातन समाज पर लागू होती थी। स्वतंत्रता के बाद जब तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल और कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने विदेशी आक्रांताओं द्वारा तोड़े गए सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का बीड़ा उठाया, तो नेहरू ने इसका कड़ा विरोध किया। उन्होंने इसे 'हिंदू पुनरुत्थानवाद' का नाम दिया। जब देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद मंदिर के उद्घाटन समारोह में जाने लगे, तो नेहरू ने उन्हें वहां जाने से मना करने की कोशिश की थी। यह घटना दर्शाती है कि नेहरू सनातन संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना को लेकर असहज थे। नेहरू सरकार ने कथित रूप से हिंदू समाज की कुरीतियों को दूर करने और महिलाओं के अधिकारों के लिए हिंदू कोड बिल पारित किया।

-संजय सक्सेना

सामाजिक सुधार की दृष्टि से यह आवश्यक कदम हो सकता था, लेकिन नेहरू ने अन्य धर्मों, विशेषकर मुस्लिम समाज की कुरीतियों (जैसे बहुविवाह और तीन तलाक) को बदलने का कोई साहस नहीं दिखाया। शरीयत कानून को वैसे ही छोड़ दिया गया। आलोचकों के अनुसार, सुधार की यह चयनात्मक नीति केवल सनातन समाज को निशाना बनाने और दूसरों को तुष्ट करने की रणनीति थी।

इसी तरह श्रीमती इंदिरा गाँधी ने अपनी राजनीति को मजबूत करने के लिए वामपंथी इतिहासकारों और विचारकों को देश के शैक्षणिक संस्थानों पर नियंत्रण दे दिया। इसके परिणामस्वरूप, भारत के इतिहास की पुस्तकों में सनातन संस्कृति, वेदों, उपनिषदों और महान हिंदू राजाओं (जैसे छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, चोल और विजयनगर साम्राज्य) के इतिहास को छोटा कर दिया गया, जबकि आक्रांताओं का महिमामंडन किया गया।राजीव गाँधी के कार्यकाल में भी सांस्कृतिक चेतना को आघात पहुँचाने वाले कई निर्णय लिए गए:उनके कार्यकाल में शाह बानो मामला (1986) में जब सर्वोच्च न्यायालय ने शाह बानो नामक एक पीड़ित मुस्लिम महिला के पक्ष में गुजारा भत्ता देने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया, तो राजीव गाँधी सरकार ने कट्टरपंथियों के दबाव में आकर संसद में कानून बदलकर अदालत के फैसले को पलट दिया। यह अन्य धर्मों की कुरीतियों पर आँखें मूँदने और तुष्टिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण बना। राजीव गाँधी ने राजनीतिक लाभ के लिए अयोध्या में राम जन्मभूमि के ताले तो खुलवाए, लेकिन सनातन समाज की इस मुख्य आस्था को कभी पूर्ण न्याय देने का प्रयास नहीं किया।

वहीं यूपीए सरकार के दौरान, सोनिया गाँधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का रुख सनातन संस्कृति के प्रति और अधिक आक्रामक हो गया। इस कालखंड में सनातन समाज की सहिष्णुता पर गहरे प्रहार किए गए। साल 2007 में 'सामुद्रिक सेतु' (राम सेतु) को बचाने के लिए चल रहे आंदोलन के बीच, यूपीए सरकार के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा दायर किया। इसमें लिखा गया कि भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और रामायण के अन्य पात्र केवल पौराणिक कथाओं के हिस्से हैं और उनका कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है। करोड़ो सनातनी हिंदुओं के आराध्य देव के अस्तित्व को नकारना इस परिवार की सांस्कृतिक समझ पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। राजनीतिक लाभ के लिए तत्कालीन गृह मंत्रालय और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने 'भगवा आतंकवाद' या 'हिंदू आतंकवाद' जैसे शब्दों का आविष्कार किया। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर और कर्नल पुरोहित जैसे लोगों को वर्षों तक बिना ठोस सबूतों के जेल में प्रताड़ित किया गया। सदियों से 'वसुधैव कुटुंबकम' और शांति का संदेश देने वाली सनातन संस्कृति को वैश्विक स्तर पर हिंसक सिद्ध करने का यह आत्मघाती प्रयास था।वर्तमान में राहुल गाँधी इस परिवार की वैचारिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। आलोचकों का मानना है कि वे अतीत के नेताओं की तुलना में और अधिक खुले तौर पर, आक्रामक रूप से और कभी-कभी भ्रामक तथ्यों का सहारा लेकर सनातन संस्कृति को निशाना बना रहे हैं।संसद में 'हिंदू' समाज पर विवादित टिप्पणी (2024): संसद के भीतर विपक्ष के नेता के रूप में भाषण देते हुए राहुल गाँधी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए एक ऐसी टिप्पणी की, जिसे पूरे हिंदू समाज का अपमान माना गया। उन्होंने कहा कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं, वे चौबीसों घंटे हिंसा, नफरत और असत्य की बातें करते हैं। यद्यपि बाद में स्पष्टीकरण दिया गया कि उनका निशाना केवल एक राजनीतिक दल था, लेकिन सदन में जिस तरह से उन्होंने यह बात कही, उसने करोड़ों सनातनी भावनाओं को आहत किया।

मुंबई की एक जनसभा में राहुल गाँधी ने कहा कि 'हिंदू धर्म में एक शब्द होता है 'शक्ति', हम उस शक्ति से लड़ रहे हैं।' सनातन परंपरा में 'शक्ति' देवी स्वरूपा, चेतना और सात्विक ऊर्जा का प्रतीक है। राजनीतिक लड़ाई में सनातन के सबसे पवित्र प्रतीकों का ऐसा नकारात्मक उपयोग उनकी सोच को दर्शाता है।चुनावों के समय राहुल गाँधी कोट के ऊपर जनेऊ पहन लेते हैं, खुद को कश्मीरी पंडित बताते हैं और मंदिरों के चक्कर लगाते हैं। लेकिन चुनाव बीतते ही उनके सहयोगी डीएमके जब सनातन धर्म की तुलना 'डेंगू, मलेरिया और कोरोना' से करते हैं और उसे समूल नष्ट करने की बात करते हैं, तो राहुल गाँधी इस पर पूरी तरह मौन रहते हैं। उनकी यह चुप्पी इस बात का प्रमाण है कि वे सनातन विरोधी बयानों का परोक्ष रूप से समर्थन करते हैं।उपरोक्त ऐतिहासिक और वर्तमान घटनाक्रमों का विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि नेहरू-गाँधी परिवार की वैचारिक पृष्ठभूमि कभी भी सनातन संस्कृति के आदर्शों, गौरव और प्रतीकों के अनुकूल नहीं रही। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर एकतरफा नीतियां बनाना, भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाना, इतिहास की पुस्तकों से भारतीय संस्कृति के गौरवमयी अध्यायों को हटाना और वर्तमान में राजनीतिक लाभ के लिए सनातन समाज व उसके प्रतीकों को कठघरे में खड़ा करना यह सब इस परिवार की सोच को उजागर करता है। सनातन समाज अपनी सहिष्णुता के लिए जाना जाता है, लेकिन इतिहास गवाह है कि जब-जब राजनीति ने उसकी आस्था को नीचा दिखाने का प्रयास किया, देश की सांस्कृतिक चेतना ने उसका पुरजोर जवाब दिया है।

औषधीय पौधों की स्वास्थ्य संरक्षण में महती भूमिका

प्रकृति की गोद में छिपा है स्वस्थ एवं शतायु जीवन का रहस्य

अतीत के पन्नों को हम पलटे तो भान होता है कि मनुष्य और प्रकृति का गहरा संबंध सदियों पुराना है। प्रकृति ने हमें केवल अन्न,जल और वायु ही नहीं दिए,बल्कि असंख्य ऐसे औषधीय पौधे भी प्रदान किए हैं, जिनका उपयोग मानव स्वास्थ्य की रक्षा और रोगों से बचाव के लिए प्राचीन काल से होता आया है। भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में वनस्पतियों के औषधीय गुणों का विस्तृत वर्णन मिलता है।जिसमें यह भी कहा गया है इस धरा पर ऐसा कोई भी पादप नहीं जिसका उपयोग नहीं होता हो और जो काम का न हो। अपनी जीवनशैली आज तेजी से बदल रही है, जिसके चलते असंतुलित खान-पान,तनाव,शारीरिक निष्क्रियता तथा पर्यावरणीय चुनौतियां स्वास्थ्य के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर रही हैं, ऐसे समय में औषधीय पौधों का महत्व और भी बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य संरक्षण का प्राकृतिक आधार

तुलसी,नीम,आंवला, गिलोय, अश्वगंधा, एलोवेरा, अर्जुन, हरड़, बहेड़ा,वासा, शतावरी जैसे अनेक पौधे भारतीय जनजीवन में लंबे समय से उपयोग में आते रहे हैं। आयुर्वेद में इनका प्रयोग व्यक्ति की प्रकृति, अवस्था, ऋतु और काल की आवश्यकता के अनुरूप किया जाता है। आंवला को रसायन एवं स्वास्थ्यवर्धक द्रव्य के रूप में महत्वपूर्ण माना गया है। तुलसी पारंपरिक रूप से श्वसन एवं सामान्य स्वास्थ्य संरक्षण में उपयोगी मानी जाती है।इम्यूनो सिस्टम को मजबूत कर ए वाली भी है। नीम अपने विविध औषधीय गुणों के कारण भारतीय परंपरा में विशेष स्थान रखता है।ये एंटी- सेप्टिक का काम करता है। अर्जुन का प्रयोग आयुर्वेद में हृदय संबंधी स्वास्थ्य के संदर्भ में किया जाता है। अश्वगंधा बल एवं अनुकूलन क्षमता से जुड़े आयुर्वेदिक प्रयोगों के लिए प्रसिद्ध है। पुष्कर मूल हार्ट के लिए मन जाता है।भूमि आंवला लिवर के लिए उपयोगी माना गया है।कालमेघ अग्न्याशय के लिए उपयोगी बताया गया है। प्लीहा के लिए शरपुंखा, फेफ-ड़े के लिए वासा और गंभारी को मुख्य मन है। गोखरू और पुनर्नवा का प्रयोग

किडनी सम्बन्धी रोगों में किया जाता है। आमाशय के लिए त्रिफला को उपयोगी बताया गया है,गला के लिए मुलैठी, कान के लिए सुदर्शन का रस,मस्तिष्क के लिए ब्राह्मी और शंखपुष्पी का उपयोग किया जाता है। बालों के लिए भृंगराज, एडी के लिए आक तो घुटनों के लिए पारिजात का उपयोगी माना गया है।दांतों के लिए वज्रदंती और त्वचा के लिए आंवला,एलोवेरा व हल्दी का प्रयोग करने का विधान बताया गया है। परन्तु यहां पर यह समझना जरूरी है कि औषधीय पौधे प्राकृतिक होने का अर्थ यह नहीं कि उनका सेवन हर व्यक्ति के लिए स्वतः सुरक्षित है। औषधीय मात्रा,सही पहचान,उचित विधि और व्यक्ति की प्रकृति और स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखकर ही इनका प्रयोग करना चाहिए।

पौधे बचेंगे तो स्वास्थ्य बचेगा

औषधीय पौधों की उपयोगिता केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं है। ये हमारे पर्यावरणीय संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पेड़-पौधे वायु को शुद्ध करने, मिट्टी के संरक्षण, जैव विविधता को बनाए रखने तथा जलवायु को संतुलित करने में योगदान देते हैं। इसलिए औषधीय पौधों का संरक्षण वास्तव में स्वास्थ्य और पर्यावरण—दोनों का संरक्षण है। घर की छोटी-सी वाटिका, विद्यालय का औषधीय पौधा उद्यान अथवा गांव की सार्वजनिक भूमि पर औषधीय वनस्पतियों का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी विरासत साबित हो सकता है। साथ ही जनजातीय एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सहारा भी बन सकती है। ये औषधीय वनस्पतियां ग्रामीण और जनजातीय समुदायों की आजीविका से भी जुड़ी हुई हैं। आज भी अनेक समुदाय पारंपरिक रूप से वनस्पतियों की पहचान, संग्रहण और उनके उपयोग का ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाते आए हैं। यदि औषधीय पौधों की वैज्ञानिक खेती,संरक्षण, प्रसंस्करण और विपणन को प्रोत्साहन मिले तो यह क्षेत्र ग्रामीण युवाओं और वनवासी समुदायों के लिए रोजगार एवं आय का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

हर घर बने औषधीय वाटिका

आज आवश्यकता इस बात की है कि औषधीय पौधों को केवल जंगलों या औषधालयों तक सीमित न रखा जाए। प्रत्येक परिवार अपनी क्षमता के अनुसार घर,खेत,विद्यालय या सामुदायिक परिसर में कुछ उपयोगी औषधीय पौधे जरूर लगाए।वर्षा के दौर में इनका रोपण करना फायदेमंद रहता है।आगे भी इस निरापद पद्धति को प्रोत्साहन मिलता रहे इसके लिए लोगों को विश्वास के साथ साथ अधिक अधिक औषधीय पौधे लगाने की आवश्यकता है। गिलोय, तुलसी,अश्वगंधा और अदरक आयुर्वेद की मुख्य घरेलू औषधि है ये प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर है। एक पौधा लगाना केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य में निवेश करना है। आयुर्वेद हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। स्वस्थ जीवन केवल रोग के अभाव का नाम नहीं, बल्कि संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, सद्विचार, पर्याप्त व्यायाम और प्रकृति के साथ जुड़ाव का परिणाम है।

औषधीय पौधे प्रकृति की ऐसी अमूल्य धरोहर हैं, जिनमें स्वास्थ्य संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था—तीनों को मजबूत करने की क्षमता है। इनके संरक्षण और संवर्धन को जनआंदोलन का रूप देना समय की आवश्यकता है। प्रकृति को बचाइए, औषधीय पौधों को बचाइए और स्वस्थ भविष्य की नींव रखिए। औषधीय पौधा केवल हरियाली नहीं,अपितु समय की मांग है। आज हर घर आंगन में पांच औषधीय पौधे तो जरूर लगे होने चाहिए।यथा- एलोविरा, तुलसी,कढ़ी पता,पुदीना और लेमनग्रास। प्रकृति की ओर से स्वास्थ्य की यह अमूल्य पूंजी है।

– डॉ. राजेंद्र कुमावत चिराना
वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी उदयपुरवाटी

के. एन. टावरे विद्यालय में उत्साह से मनाया गया रक्षाबंधन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। श्रमिक मंडल भिवंडी संचलित के. एन. टावरे विद्यालय जूनार्दुरखी (लाखिवली) में गुरुवार, 27 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व पारंपरिक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की मुख्याध्यापिका सुनीता जाधव, संगीता कदम, वैशाली चौरे एवं लता जोशी ने बहनों की भूमिका निभाते हुए विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को राखी बांधी। इसके साथ ही छात्राओं ने विद्यालय के सभी छात्रों को राखियां बांधकर रक्षाबंधन का पर्व उत्साह से मनाया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त स्वास्थ्य अधिकारी कमलाकर बालकृष्ण जोशी ने विद्यालय के लिए निःशुल्क राखियां उपलब्ध कराईं। विद्यार्थियों के लिए राखी बनाने तथा छात्राओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के साथ शैक्षणिक वर्ष 2026-27 की पहली पालक सभा भी आयोजित की गई। इसमें कक्षा पांचवीं से दसवीं तक के विद्यार्थियों के अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अभिभावकों ने विद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों को प्रत्यक्ष रूप से देखा और विद्यालय के उपक्रमों की सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्याध्यापिका सुनीता जाधव सहित शिक्षक तुषार आंबेकर, संगीता कदम, भगवान उराडे, मनेश पारधी, वैशाली चौरे, सुनील गडदे, गणेश केणे, लहू सालकर, लता जोशी, प्रभाकर पाटिल, रघुनाथ चौधरी, लिपिक राजेंद्र पाटिल, विज्ञान सहायक अमित पाटिल, शिपाई अंकुश सालकर, करण ठाकरे सहित विद्यालय के सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नाबालिग लड़कियों को बंधक बनाकर रखने का आरोप, युवक पर मामला दर्ज

◆खिड़की से कूदकर भागी नाबालिग ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

कल्याण। कल्याण पूर्व आरटीओ कार्यालय के पास चाल में रहने वाले एक युवक पर कई लड़कियों को बंधक बनाकर रखने का आरोप एक नाबालिग लड़की ने लगाया है। इस मामले में कोलसेवाड़ी पुलिस ने आरोपी चेतन माने के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, नांदिवली तालाब के पास रहने वाला आरोपी चेतन माने अपनी एक महिला मित्र, जो पीड़िता की भी सहेली है, के साथ 10 अगस्त को स्कूटी से अपने घर गया था। उस समय घर में पहले से कुछ अन्य लड़कियां मौजूद थीं। सभी की योजना दो दिनों के लिए नेवाली स्थित फार्महाउस जाने की थी। पीड़िता के पास आधार कार्ड नहीं होने के कारण उसे फार्महाउस में प्रवेश नहीं मिला, जिसके बाद वह वापस चेतन के घर आ गई। शिकायत के मुताबिक, पीड़िता और अन्य लड़कियां वहां दो से तीन दिन तक रहीं। जब पीड़िता ने घर जाने की बात कही तो आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की और गाली-गलौज की। पीड़िता का आरोप है कि चेतन माने उसे कहीं जाने नहीं देता था। 25 अगस्त को मौका मिलने पर वह खिड़की के रास्ते वहां से भाग निकली और अपनी सहेली के घर पहुंची। इसके बाद परिजनों के साथ वह कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। कोलसेवाड़ी पुलिस ने बंधक बनाकर रखने के आरोप में बीएनएस की धारा 127 सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी ने लड़कियों को अपने घर पर क्यों रखा था, पुलिस मेडिकल रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है। फिलहाल आरोपी के ताबे में है, पूरे मामले की जांच जारी है।

रक्षाबंधन के मौके पर कैरेटलेन कैंपेन लॉन्च

मुंबई। कैरेटलेन ने रक्षाबंधन के मौके पर अपना नया कैंपेन लॉन्च किया है। जिंदगी के हर मोड़ पर एक-दूसरे का साथ निभाने वाले और बिना कहे ही दिल की बात समझने वाले भाई-बहन के अनोखे रिश्ते को इसमें दिखाया गया है। "POV: भाई नोज बेस्ट नाम की यह शॉर्ट फिल्म भाई-बहन की खट्टी-मीठी नोकझोंक और उनके प्यार को बड़े ही मजेदार तरीके से पेश करती है। यह फिल्म इस बात को बखूबी दिखाती है कि कैसे एक भाई, अपनी बहन के बोलने से पहले ही उसकी पसंद-नापसंद को अच्छी तरह समझ लेता है। रक्षाबंधन पर आधारित इस फिल्म में ऑन-स्क्रीन भाई-बहन बने अक्षेषा ठाकुर और वेदांत सिन्हा के बीच की नोकझोंक और गहरे रिश्ते को दिखाया गया है। कहानी में बहन अपने भाई को चिढ़ाती है, जिसके बाद भाई अपनी बहन के लिए एक परफेक्ट गिफ्ट ढूंढने की कोशिश करता है। यह फिल्म उन छोटी-छोटी बातों और पुरानी यादों को दिखाती है, जो भाई-बहन के इस रिश्ते को खास बनाती हैं। कैरेटलेन के मैनेजिंग डायरेक्टर सौमेन भौमिक ने कहा,भाई-बहन के रिश्ते में सालों पुरानी नोकझोंक, मजाक और अनगिनत छोटी-छोटी यादें होती हैं। इस फिल्म के जरिए हम इसी जाने-पहचाने रिश्ते को वास्तविक और भरोसेमंद तरीके से दिखाना चाहते थे।

डाबर आंवला हेयर ऑयल ने रक्षाबंधन पर आवेज दरबार और आनम दरबार के साथ मनाया मजबूत भाई-बहन के रिश्ते का जश्न

पटना। भारत के भरोसेमंद हेयर ऑयल ब्रांड डाबर आंवला हेयर ऑयल ने रक्षाबंधन के अवसर पर लोकप्रिय क्रिएटर भाई-बहन आवेज दरबार और आनम दरबार के साथ एक नया डिजिटल अभियान लॉन्च किया है। यह अभियान भाई-बहनों के बीच की मस्ती, नोक-झोंक और उनके अटूट एवं मजबूत रिश्ते का उत्सव मनाता है। यह अभियान जेन-जी की भाषा, यानी संगीत, डांस और मजेदार बातचीत के माध्यम से रक्षाबंधन को नए अंदाज में प्रस्तुत करता है। इसमें दिखाया गया है कि भाई-बहन चाहे एक-दूसरे को चिढ़ाने, चुनौती देने या पीछे छोड़ने का कोई मौका न छोड़ें, लेकिन मुश्किल समय में हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं। डाबर आंवला की मजबूती की मूल भावना पर आधारित यह अभियान भाई-बहनों के रिश्ते की ताकत को दशार्ने के साथ-साथ मजबूत बालों के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है। इस अभियान पर टिप्पणी करते हुए अंकुर कुमार, हेड ऑफ मार्केटिंग, हेयर केयर, डाबर इंडिया लिमिटेड, ने कहा, डाबर आंवला में मजबूती हमेशा से हमारे ब्रांड वादे का केंद्र रही है। इस रक्षाबंधन पर हम इस विचार को केवल मजबूत बालों तक सीमित नहीं रखना चाहते थे, बल्कि जीवन के सबसे अनमोल रिश्तों में से एक, भाई-बहन के रिश्ते की मजबूती को भी सेलिब्रेट करना चाहते थे।

महाराष्ट्र राज्य जिला परिषद कर्मचारी यूनियन द्वारा केंद्रीय कार्यकारिणी सभा आयोजित

◆पालघर जिले के पदाधिकारियों व कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में लिया हिस्सा

◆विभिन्न लंबित मांगों लेकर की गई चर्चा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र राज्य जिला परिषद कर्मचारी यूनियन की केंद्रीय कार्यकारिणी सभा बुलढाणा जिले के शेगांव में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। राज्याध्यक्ष एडवोकेट बाबूराव पुजर्वाड की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से जिला परिषद कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पालघर जिले के पदाधिकारी व कर्मचारी प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय रूप से सहभागिता दर्ज कराई। सभा में जिला परिषद कर्मचारियों की विभिन्न लंबित समस्याओं एवं मांगों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें वेतन विसंगतियों को दूर करने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, जिला परिषद कर्मचारियों की पदोन्नति में कोटा बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने तथा नया आकृतिबंध तैयार करने जैसी प्रमुख मांगों पर विचार-विमर्श

हुआ। इसके अलावा ठेका पद्धति समाप्त कर वाहन चालक एवं सेवक पदों को नियमित रूप से भरने, वर्ग-4 कर्मचारियों के धुलाई भत्ते में वृद्धि करने तथा वाहन चालकों को स्वास्थ्य कर्मचारी के रूप में पदोन्नति देने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। वर्ग-3 एवं वर्ग-4 कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को शासन स्तर पर उठाने को लेकर भी रणनीति पर चर्चा हुई। राज्याध्यक्ष एडवोकेट बाबूराव पुजर्वाड ने कर्मचारियों की मांगों को शासन के समक्ष मजबूती से रखने तथा उन्हें हल कराने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों के लंबित प्रश्नों का समाधान नहीं हुआ तो संगठन के माध्यम से आंदोलनात्मक रुख अपनाया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान संगठन के पूर्व अध्यक्ष बलराज मगर का विशेष सम्मान किया गया। वहीं राज्याध्यक्ष पद पर चयन होने पर एडवोकेट बाबूराव पुजर्वाड का बुलढाणा शाखा की ओर से सत्कार किया गया। शेगांव में आयोजित इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बुलढाणा शाखा के पदाधिकारियों द्वारा किये गये नियोजन की सराहना की गई। साथ ही राज्यभर से बड़ी संख्या में उपस्थित हुए जिला परिषद कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों के प्रति राज्य शाखा की ओर से आभार व्यक्त किया गया। सभा में संगठन के राज्य सचिव सुनील जानोरकर, कोषाध्यक्ष विजयकुमार हलदे, मंत्रालयीन संपर्क सचिव रामचंद्र मडके, राज्य शाखा के पदाधिकारी, विभागीय अध्यक्ष एवं सचिव तथा विभिन्न जिलों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर भारत सेवा समिति के रामनरेश यादव ने सह-कोषाध्यक्ष पद से दिया त्यागपत्र

पालघर(उत्तरशक्ति)। उत्तर भारत सेवा समिति के सह-कोषाध्यक्ष रामनरेश रामसुंदर यादव ने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 27 अगस्त 2026 को समिति के अध्यक्ष को पत्र भेजकर अपना त्यागपत्र स्वीकार करने का अनुरोध किया है।

अपने इस्तीफा पत्र में रामनरेश यादव ने बताया कि वे समिति में सह-कोषाध्यक्ष के पद पर कार्यरत थे। पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य ठीक नहीं रहने और तबीयत खराब होने के कारण वे इस जिम्मेदारी का निर्वहन करने में स्वयं को असमर्थ महसूस कर रहे हैं। इसी के चलते उन्होंने पद से त्यागपत्र देने का निर्णय लिया। रामनरेश यादव ने समिति अध्यक्ष से उनका इस्तीफा स्वीकार करने का आग्रह किया है। उनके इस्तीफे की जानकारी सामने आने के बाद समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के बीच इस विषय को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। अब उत्तर भारत सेवा समिति की ओर से उनके त्यागपत्र को स्वीकार करने अथवा इस संबंध में आगे निर्णय लेने की प्रक्रिया पूरी की जानी बाकी है। समिति के आगामी निर्णय पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

घरेलू कामगार संगठना ने मुख्यमंत्री से की मांग

ई-केवाईसी के अभाव में लाड़की बहन योजना से वंचित महिलाओं को पुनः अवसर दिया जाए

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री माझी लाड़की योजना में ई - केवायसी योजना में हुई गलतियों के कारण अपात्र हुई तथा ई - केवायसी पूरा न होने से लाभ से वंचित पात्र महिलाओं को एक बार पुनः अवसर दिए जाने की मांग सावित्रीबाई फुले घरेलू कामगार संगठना के संस्थापक-अध्यक्ष सुभाष मराठे-निमगांवकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से की है। संगठना की ओर से मुख्यमंत्री को दिए गए पत्र में बताया गया है कि राज्य सरकार ने लाड़की बहन' योजना के लिए ई-केवाईसी की अंतिम तिथि 30 दिसंबर, 2024 तय की थी। इसके अनुसार, कई महिलाओं ने ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर ली है। किंतु अब भी बड़ी संख्या में महिलाओं का ई-केवाईसी प्रक्रिया

पूरी नहीं हुई हैं। वहीं दूसरी तरफ ई-केवाईसी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी होने के बावजूद, कुछ महिलाओं के खातों में योजना का पैसा आना बंद हो गया है। वहीं सरकार ने 12 लाख महिलाओं को अयोग्य घोषित कर दिया है। जबकि दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ई-केवाईसी सुविधा के अभाव के कारण, आदिवासी गांवों की पात्र महिलाएं इस योजना से लाभान्वित नहीं हो पाई हैं। कई गरीब महिलाओं के पास मोबाइल फोन की सुविधा भी नहीं है, जिससे उनके लिए ई-केवाईसी करना मुश्किल हो जाता है। देखने को मिला है कि कई पात्र महिलाएं भी लाड़की बहन योजना से अभी तक वंचित हैं। हालांकि संगठना का दावा है कि इस प्रक्रिया के कारण कम पढ़ी-लिखी और अशिक्षित घरेलू कामगार महिलाएं भी इस योजना के लाभ से वंचित रह गई हैं। वही संगठना की मांग है कि जिन महिलाओं को अपात्र घोषित किया गया है, उन्हें दोबारा ई-केवाईसी कराने का अवसर देते हुए और पात्र में महिलाओं की लाड़की बहन योजना की सूची में शामिल करके लाभ दिलाया जाय। यदि इस मुद्दे को नजरअंदाज किया गया तो घरेलू कामगार महिलाएं तीव्र आंदोलन करेंगी। ऐसी चेतावनी दी गई है।

सड़क पर गड्ढों को लेकर मनसे का रास्ता रोको आंदोलन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के पडघा-कल्याण मार्ग पर सावद, आमणे और नांदकर क्षेत्र की सड़कें बड़े-बड़े गड्ढों के कारण बदहाल हो गई हैं। सड़क की दयनीय स्थिति के खिलाफ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की भिवंडी तालुका इकाई ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए रास्ता रोको आंदोलन किया। प्रदेश उपाध्यक्ष डी.के. म्हात्रे, भिवंडी लोकसभा अध्यक्ष शैलेश बिडवी और तालुकाध्यक्ष विकास जाधव के नेतृत्व में हुए आंदोलन में पार्टी पदाधिकारी मदन पाटिल, संतोष सालवी, आकाश दिनकर, प्रताप विशे, संजय बजागे, प्रदीप पाटिल, किशोर वेलेकर, दिलीप मढवी, महेश केणे, वंडार पाटिल, नितीन कथोरे, संजय भोईर, हरेश भामरे, किरण कोट और श्रावण मोगरे सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे। मनसे भिवंडी लोकसभा अध्यक्ष शैलेश बिडवी ने आरोप लगाया कि सड़क की मरम्मत के लिए प्रशासन को कई बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि पिछले तीन वर्षों में इस सड़क की मरम्मत पर करीब चार करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बावजूद सड़क की हालत इतनी खराब क्यों है? बिडवी ने चेतावनी दी कि गणेशोत्सव शुरू होने से पहले यदि सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो मनसे कार्यकर्ता गणेश विसर्जन सार्वजनिक निर्माण विभाग के ठाणे कार्यालय में करने का आंदोलनात्मक इशारा देंगे। उन्होंने प्रशासन से तत्काल सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

माहुल के समुद्र किनारे उफेउल्लंघन मामले में टैंक तोड़कर जमीन पूर्ववत करने के आदेश

मुंबई। चेंबूर के माहुल स्थित टाटा पावर के पीछे समुद्र किनारे की जमीन पर मेसर्स एजिस लॉजिस्टिक्स लिमिटेड द्वारा कथित तौर पर बिना आवश्यक अनुमति के मिट्टी भराव कर स्टोरेज टैंक बनाए जाने का मामला सामने आया है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और तटीय विनियमन क्षेत्र (उफे) अधिसूचना के उल्लंघन के प्रथमदृष्टया संकेत मिलने के बाद उपविभागीय अधिकारी कल्पना गोडे ने आदेश दिया है कि यदि हाई कोर्ट की आवश्यक अनुमति प्राप्त नहीं है, तो वहां बनाए गए टैंकों को तोड़कर भराव की गई जमीन को पूर्व स्थिति में बहाल किया जाए।

संदीप त्रिलोकीनाथ शुक्ला और अन्य की शिकायत के बाद कुर्ला तहसीलदार द्वारा संयुक्त स्थल निरीक्षण किया गया और रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। रिपोर्ट के अनुसार, माहुल स्थित संबंधित जमीन पर लगभग 117 मीटर लंबा, 6 मीटर चौड़ा और 3 मीटर ऊंचा भराव कर जमीन को समतल किया गया था।

स्थल निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि संबंधित भूखंड का कोई सर्वे नंबर और नगर भूमि सर्वेक्षण क्रमांक (सी.एस. नंबर) नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च से दिसंबर 2024 के बीच उफे और पर्यावरण विभाग की आवश्यक अनुमति के बिना जमीन पर भराव किया गया।

कंपनी को 12 फरवरी 2025 को उफे क्लियरेंस प्राप्त हुआ था, लेकिन इससे पहले किए गए कार्यों के लिए आवश्यक अनुमतियों से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।

संबंधित जमीन मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के स्वामित्व में है और उफे।। क्षेत्र के अंतर्गत आती है। यहां एजिस लॉजिस्टिक्स द्वारा 12 स्टोरेज टैंक और दो पानी की टंकियां बनाई गई हैं।

स्थल निरीक्षण के दौरान फिलहाल वहां मैंग्रोव के पेड़ नहीं पाए गए। हालांकि, पूर्व में इस स्थान पर मैंग्रोव मौजूद थे या नहीं, इसकी जानकारी के लिए वन विभाग की राय लेने की सिफारिश की गई है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत 2 मार्च 2026 को मामला दर्ज किया गया था।

अब अधिकारियों ने आदेश दिया है कि यदि हाई कोर्ट की अनुमति प्राप्त नहीं है, तो उफेक्षेत्र में बनाए गए स्टोरेज टैंकों को हटाया जाए और भराव की गई जमीन को पूर्व स्थिति में बहाल किया जाए। आगे की कार्रवाई के लिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट और मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी को पत्र भेजा गया है।

गरीब के घर की जबरन तोड़फोड़, महेश गायकवाड विकासक पर भड़के

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के कैलास नगर परिसर में गैस कंपनी के पास एक विकासक द्वारा इमारत का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। इस निर्माण कार्य में बाधा बनने का आरोप लगाते हुए एक गरीब परिवार के घर की कथित तौर पर जबरन तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। गरीब का घर देखने के बाद बिल्डर पर महेश गायकवाड भड़क गए। और कहा कि जबतक गरीब को न्याय नही मिलता तबतक उसके लिए कानूनी प्रक्रिया सुरु रहेगी।

घटना की जानकारी मिलते ही शिवसेना नेता महेश गायकवाड मौके पर पहुंचे और विकासक की कार्रवाई पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार के साथ अन्याय नहीं

गरीब का घर बिल्डर ने जबरन तोड़ा

होने दिया जाएगा तथा घर को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई होनी चाहिए। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए महेश गायकवाड ने पुलिस से संपर्क कर मामले की जांच करने और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर गरीब नागरिकों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

1 सितंबर से सफर होगा महंगा, मुंबई में ऑटो-टैक्सी का किराया बढ़ा, जानिए नए रेट

मुंबई। सीएनजी से चलने वाली काली-पीली टैक्सी और मुंबई में तिपहिया से यात्रा करना एक सितंबर से महंगा हो जाएगा। परिवहन प्राधिकरण ने किराये में संशोधन का आदेश जारी किया। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के एक अधिकारी ने कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र परिवहन प्राधिकरण (एमएमआरटीए) ने टैक्सी के किराये में दो रुपये और तिपहिया के किराये में एक रुपये की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि टैक्सी में शुरू के 1.5 किलोमीटर की यात्रा करने का न्यूनतम किराया 31 रुपये से बढ़कर 33 रुपये हो जाएगा। वहीं, तिपहिया का न्यूनतम किराया 26 रुपये से बढ़कर 27 रुपये होगा ।महाराष्ट्र के परिवहन सचिव की अध्यक्षता में हुई एमएमआरटीए की बैठक के दौरान चार सदस्यीय खटुआ समिति से मिले सुझाव के आधार पर पिछले बृहस्पतिवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। बैठक के ब्योरे को बुधवार को अंतिम रूप दिया गया ।बदले हुए किराया ढांचे के तहत, पहले 1.5 किलोमीटर के लिए ऑटो-रिक्शा का न्यूनतम किराया 26 रुपये से बढ़कर 27 रुपये हो जाएगा, जबकि उसके बाद हर किलोमीटर के लिए किराया 17.14 रुपये से बढ़कर 18.22 रुपये हो जाएगा। काली-पीली टैक्सी के लिए, पहले 1.5 किलोमीटर का न्यूनतम किराया 31 रुपये से बढ़कर 33 रुपये हो जाएगा और प्रति किलोमीटर किराया 20.66 रुपये से बढ़कर 21.90 रुपये हो जाएगा ।ट्रांसपोर्ट अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि चूंकि लाखों मीटर को रीकैलिब्रेट करने का काम रातों-रात पूरा नहीं हो सकता, इसलिए इस बदलाव के दौर में यात्रियों को ऐसे वाहन मिल सकते हैं जिनमें पुरानी मीटर रीडिंग दिख रही हो। बदले हुए किराए को लागू करने के लिए, रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस ने आधिकारिक टैरिफ कार्ड के इस्तेमाल को मंजूरी दी है, जिसमें नई दरों के हिसाब से देय किराया दिखाया जाएगा। अधिकारियों ने यात्रियों को सलाह दी है कि जब किसी वाहन का मीटर रीकैलिब्रेट न हुआ हो, तो वे अधिकृत टैरिफ कार्ड का इस्तेमाल करके किराए की जांच करें और ज्यादा किराया वसूलने या किराए से जुड़ी गड़बड़ियों की शिकायत करें। यह फैसला मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी द्वारा किराया संशोधन को मंजूरी देने के बाद लिया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को बैठक के मिनट्स पर हस्ताक्षर किए, जिससे पूरे क्षेत्र में इसे लागू करने का रास्ता साफ हो गया।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जो वाहन मालिक 30 नवंबर तक अपने मीटर रीकैलिब्रेट नहीं करवाएंगे, उन्हें 1 दिसंबर से विभागीय जुमार्ने का सामना करना पड़ेगा और देरी के हर दिन के लिए जुमार्ना लगेगा। इस कदम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि ग्रेस पीरियड खत्म होने तक सभी टैक्सी और ऑटो-रिक्शा बदले हुए किराया ढांचे के तहत चलें ।इसके लिए एक सितंबर से नवंबर के अंत तक का समय दिया गया है। तय अवधि में मीटर का ‘रीकैलिब्रेशन’ नहीं कराने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और जुमार्ना लगाया जा सकता है। एमएमआर में इससे पहले टैक्सी और तिपहिया के किराये में तीन-तीन रुपये की बढ़ोतरी एक, फरवरी 2025 से लागू हुई थी। करीब 18 महीने बाद एक बार फिर किराये में संशोधन किया गया है। इस बीच, महाराष्ट्र सरकार की ओर से तिपहिया और कैब चालकों की मराठी भाषा बोलने की दक्षता संबंधी जांच भी की जा रही है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

पीयू के इंक्यूबेशन सेंटर को मुख्यमंत्री ने प्रदान किया मान्यता प्रमाण पत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की स्टार्टअप नीति को गति देने के उद्देश्य से लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंक्यूबेशन सेंटर को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मान्यता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह एवं इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि इंक्यूबेशन सेंटर को मिली इस मान्यता से विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले स्टार्टअप एवं इनक्यूबेटीज को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। विशेष रूप से सीड फंडिंग, प्रोत्साहन राशि तथा स्टार्टअप विकास से संबंधित अन्य सरकारी सुविधाओं तक उनकी पहुंच अधिक सुगम हो सकेगी। इससे विश्वविद्यालय में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 पुस्तिका का विमोचन तथा उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन पोर्टल का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि स्टार्टअप नीति के अंतर्गत 107 स्टार्टअप को रु.3.42 करोड़ से अधिक तथा 9 इनक्यूबेटीज को रु.1.79 करोड़ की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सुनील कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने बताया कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को मिली मान्यता को विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्यमिता को संस्थागत रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे पूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को स्टार्टअप में परिवर्तित करने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

खेलों से जुड़ें युवा, नशे से रहें दूर: गिरीश चंद्र यादव

पीयू में हुआ 'खेलो इंडिया संवाद', युवाओं ने लिया खेल और नशामुक्ति का संकल्प

युवाओं से माई भारत से जुड़ने का आह्वान पीयू में हुआ 'खेलो इंडिया संवाद'

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के दिशा-निर्देशन में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मेरा युवा भारत, जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'खेलो इंडिया संवाद–खेल की बात, पीएम के साथ' कार्यक्रम आर्यभट्ट सभागार, रज्जू भैया संस्थान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम को टीवी पर संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं से खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने और भारत को खेलों की महाशक्ति बनाने का आह्वान किया। इसी क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। आज भारतीय खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने, अपनी प्रतिभा को निखारने तथा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, अनुशासित एवं ऊर्जावान युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। उन्होंने युवाओं से केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न खेल एवं युवा कल्याण योजनाओं, सुविधाओं एवं अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार के खेल विभाग की वेबसाइटों तथा विभिन्न नोटिफिकेशनों के माध्यम से युवाओं को खेलों से संबंधित अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है, जिसका लाभ उठाकर वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सरकार द्वारा आर्थिक सहायता के साथ-साथ विभिन्न सेवाओं एवं पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से विशेष अवसर भी प्रदान किए जाते हैं।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण अंचलों के युवाओं के लिए खेलों में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पहले कहा जाता था कि 'खेलोगे-कूदोगे बनोगे खराब', लेकिन आज यह सोच बदल गई है और विकसित भारत की परिकल्पना में संदेश है कि 'खेलोगे-कूदोगे बनोगे नवाब।' उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की डबल इंजन सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग एवं माई भारत पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीकरण कराने तथा इसके माध्यम से उपलब्ध विभिन्न अवसरों, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों से जुड़कर अपनी प्रतिभा और क्षमता को विकसित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री जी ने उपस्थित युवाओं एवं प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई।

विशिष्ट अतिथि श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का भी सशक्त साधन है। खेल युवाओं में संघर्ष, धैर्य, अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित करता है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की।

एथलेटिक्स खिलाड़ी सुश्री पूजा यादव को मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव तथा विशिष्ट अतिथि श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक ने बुके मोमेंटो और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। पूजा यादव ने अपने खेल जीवन के अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। उन्होंने युवाओं को निरंतर अभ्यास, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में सफलता के लिए प्रतिभा के साथ अनुशासन और निरंतर अभ्यास बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम का संचालन सुमित सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ. शशिकांत यादव द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, अधिकारियों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर प्रो. मिथिलेश सिंह, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. मनोज पाण्डेय, जिला प्रशासन के खेल विभाग के अधिकारी, इंदिरा गांधी स्टेडियम के अधिकारीगण, विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक, उत्कर्ष सिंह, सर्वेश यादव, अवशेष जायसवाल, अभिनव कीर्ति पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं माय भारत के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नेपाल बाढ़ त्रासदी में दिवंगत आत्माओं को विद्यालय परिवार ने दी श्रद्धांजलि

रेनुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदा से हुई जनहानि पर आज सेंट ए.बी.आर. पब्लिक स्कूल, रेनुकूट में विद्यालय परिवार द्वारा गहरा शोक एवं संवेदना व्यक्त की गई। इस दुःखद त्रासदी में दिवंगत हुए लोगों की आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवारों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर में मोमबत्तियाँ जलाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों ने एकजुट होकर दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। वातावरण पूरी तरह भावुक और शांत रहा। सभी ने कुछ क्षण मौन रहकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में मानवता सबसे बड़ी संवेदना है। नेपाल के पीड़ित परिवारों के दुःख में विद्यालय परिवार सहभागी है और दिवंगत लोगों के प्रति यह श्रद्धांजलि हमारी मानवीय एकजुटता एवं संवेदनशीलता का प्रतीक है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश भी दिया गया कि संकट की घड़ी में पीड़ितों के प्रति सहानुभूति, संवेदना और मानवीय सहयोग की भावना ही सच्ची मानवता है। विद्यालय परिवार ने दिवंगत आत्माओं की शांति एवं प्रभावित परिवारों के शीघ्र सामान्य जीवन की कामना की।

शैलेन्द्र यादव ललई ने चुनावी तैयारियों को दी रफ्तार, सरकार पर साधा निशाना

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव ललई ने आगामी चुनाव को लेकर अपनी राजनीतिक सक्रियता तेज कर दी है। गुरुवार को उन्होंने नगर के कई प्रतिष्ठित लोगों से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाया।

इस दौरान उन्होंने प्रदेश में बढ़ती महंगाई, चीनी के बढ़ते दाम और बेरोजगारी को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जनता सरकार के कामकाज का जवाब देगी।

पूर्व मंत्री ने लोगों से संवाद करते हुए समाजवादी पार्टी की नीतियों और अखिलेश यादव के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की जानकारी भी साझा की। उनकी नगर में बढ़ी सक्रियता को आगामी चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। इस मौके पर नगर अध्यक्ष अरशद अंसारी, व्यापारी नेता देवेंद्र कुमार उर्फ शेखर साहू, मनोज अग्रहरी, जशीम खान, अशोक सेठ, लालचंद यादव सहित अन्य लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

वाराणसी में लाठी-डंडों से पीटकर मजदूर की हत्या, पेड़ से बांधकर पिटाई की तस्वीर वायरल

डॉ.एस.के. मिश्रा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। चोलापुर थाना क्षेत्र में एक मजदूर की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान रामजनम बनवासी के रूप में हुई है। आरोप है कि दबंगों ने मजदूर को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। इसी दौरान उसे पेड़ से बांधकर पीटे जाने की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला और गंभीर हो गया। पुलिस ने मामले की जांच तेज करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त को चोलापुर क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ था।

दो आरोपी गिरफ्तार

काफी प्रयासों के बाद 26 अगस्त को शव की पहचान रामजनम बनवासी के रूप में हुई। पहचान होने के बाद परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी, जिसके आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

बताया गया कि रामजनम ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता था। वह स्टार मार्का ईंट भट्ठे पर काम करता था। जून में भट्ठा बंद होने के बाद वह घर पर रहने लगा था। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण बाद में उसने चौबेपुर क्षेत्र स्थित सरजू मार्का ईंट भट्ठे पर मजदूरी शुरू कर दी थी।

इसी बीच उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शव मिलने के बाद पुलिस ने पहचान कराने के साथ ही हत्या की आशंका को लेकर जांच शुरू की। इसी दौरान सोशल मीडिया पर सामने आई एक तस्वीर में मजदूर को पेड़ से बंधा हुआ दिखाया गया। पुलिस वायरल तस्वीर की सत्यता और उससे जुड़े घटनाक्रम की भी जांच कर रही है।

मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर घटना के कारण और पूरी परिस्थितियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

चोलापुर पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। अन्य संभावित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

पेट्रोल छिड़ककर युवक ने खुद को लगाई आग, हालत गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के सब्बल ब्रह्म बाबा मंदिर के पास गुरुवार को एक युवक ने कथित तौर पर पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग लगा ली। आग की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से झुलस गया।

घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए वाराणसी रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसके कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

केराकत में दबंगों ने घर पर चढ़कर की मारपीट, महिला समेत आधा दर्जन घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के नरहन (लुत्तीपुर) गांव में दबंगों द्वारा घर पर चढ़कर लाठी-डंडों से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। मारपीट की घटना में महिला समेत करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित के मुताबिक, आरोपितों ने घर पर पहुंचकर लाठी-डंडों से परिवार के लोगों के साथ जमकर मारपीट की, जिससे कई लोगों को चोटें आई हैं। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने केराकत कोतवाली में नामजद तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई और न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस को दी गई तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित पक्ष ने आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मुनादी कर फरार आरोपी के घर चस्पा किया कुर्की की चेतावनी नोटिस

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मंडुआडीह थाना क्षेत्र के चेतना नगर कॉलोनी में पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी आकाश सिंह पुत्र राकेश सिंह के घर डुगडुगी बजाकर मुनादी कराई। न्यायालय के आदेश के क्रम में पुलिस ने आरोपी के घर धारा 82 की उद्घोषणा संबंधी नोटिस भी चस्पा किया। पुलिस के अनुसार आरोपी आकाश सिंह के खिलाफ मंडुआडीह थाने में धारा 115(2), 309(4), 316(2), 324(5), 352 एवं 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है। आरोपी के लगातार फरार रहने पर न्यायालय के आदेश के अनुपालन में लहरतारा चौकी प्रभारी प्रवीण सचान पुलिस टीम के साथ चेतना नगर पहुंचे। पुलिस टीम ने सार्वजनिक रूप से मुनादी कर आरोपी को न्यायालय में आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। नोटिस में कहा गया कि आरोपी 30 दिनों के भीतर न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करता है तो उसके विरुद्ध संपत्ति कुर्की की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बारिश के मौसम में बढ़ा सांप के काटने का खतरा, जिला प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बारिश के मौसम में जिले में लगातार सर्पदंश यानी सांप के काटने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसे देखते हुए जिला प्रशासन जौनपुर ने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए जरूरी एडवाइजरी जारी की है। प्रशासन के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो घबराएं नहीं। सही समय पर सही उपचार मिलने से जान बचाई जा सकती है। सर्पदंश के बाद काटने वाली जगह पर दर्द, सूजन या जलन, उल्टी, चक्कर आना, पसीना आना, सांस लेने में दिक्कत, धुंधला दिखाई देना, बोलने में परेशानी, शरीर में कमजोरी या सुन्नपन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

क्या करें: ◆ पीड़ित को तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाएं। ◆ काटे गए अंग को स्थिर रखें और कम से कम हिलाएं। ◆ कसे हुए कपड़े, घड़ी या आभूषण हटा दें। ◆ घाव को साफ पानी से हल्के हाथों से धोएं। ◆ बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाएं।

रक्षाबंधन से पहले खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, मिठाई व खाद्य पदार्थों के 7 नमूने लिए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विशेष प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर 26 अगस्त को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के कुल 7 नमूने संग्रहित किए गए। टीम ने तेजी बाजार-बदलापुर स्थित कोलकाता स्वीट हाउस से पेड़ा, वाजिदपुर तिराहा स्थित चटोरी रेस्टोरेंट से मंचूरियन, औवार केराकत स्थित डेयरी यूनिट से पनीर तथा जलालपुर चौराहा स्थित दुकान से डोडा बर्फी का नमूना लिया। इसके अलावा कबीरूद्दीनपुर, धमार्पुर स्थित साई डेयरी एवं मिष्ठान भंडार से बूंदी का लड्डू, खोया और छेना के नमूने संग्रहित किए गए। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार जायसवाल के नेतृत्व में हुई कार्रवाई का उद्देश्य त्योहार के दौरान उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 एवं संबंधित विनियमावली के तहत आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

वाजिदपुर में क्षतिग्रस्त इंटरलॉकिंग का डीएम ने लिया जायजा, जल्द मरम्मत के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने बुधवार को वाजिदपुर दक्षिणी में वाजिदपुर तिराहे के पास सेंट थॉमस कोचिंग के सामने आशा दीप इलेक्ट्रॉनिक्स से अवधेश श्रीवास्तव के मकान तक बनी इंटरलॉकिंग सड़क और नाली का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षतिग्रस्त मार्ग की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान बताया गया कि उक्त इंटरलॉकिंग एवं नाली का निर्माण डूडा विभाग, जौनपुर द्वारा करीब छह से आठ माह पूर्व कराया गया था। वर्तमान में अदाणी गैस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गैस पाइपलाइन से जुड़े कार्य के दौरान कई स्थानों पर इंटरलॉकिंग और नाली को खोद दिया गया, जिससे मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। बताया गया कि यह कार्य डूडा विभाग से एनओसी लिए बिना किया गया।

डूडा विभाग की ओर से इंटरलॉकिंग क्षतिग्रस्त किए जाने के मामले में अदाणी गैस प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षतिग्रस्त इंटरलॉकिंग की शीघ्र मरम्मत कराकर मार्ग को पूर्व कीस्थिति में बहाल कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी संस्था या एजेंसी द्वारा सड़क, नाली अथवा अन्य सार्वजनिक परिसंपत्ति को क्षतिग्रस्त किया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

डॉ.अशोक कुमार दूसरी बार बने उ.प्र. राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। लोक निर्माण विभाग के विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में रविवार को आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय सम्मेलन एवं द्विवार्षिक महाधिवेशन में राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री डॉ. अशोक कुमार को सर्वसम्मति से दूसरी बार प्रदेश उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। महाधिवेशन की अध्यक्षता अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिव प्रताप सिंह ने की, जबकि राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शशिकांत राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन का संचालन लोक निर्माण विभाग एसोसिएशन के प्रांतीय महामंत्री जय प्रकाश पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष अशोक कुमार गौतम, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. सत्यम् शिवम् सुंदरम्, वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. विजय भारतीय सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष वेद प्रकाश राय एवं अनुप्रिया गौतम सहित विभिन्न जिलों एवं मंडलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. विजय भारतीय सिंह को भी सर्वसम्मति से प्रांतीय मंत्री निर्वाचित किया गया। महाधिवेशन में लगभग 15 प्रदेश स्तरीय संगठनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कमल अग्रवाल लगातार तीसरी बार प्रदेश अध्यक्ष तथा अशोक कुमार सिंह महामंत्री निर्वाचित हुए।

अपने संबोधन में डॉ. अशोक कुमार ने ऑनलाइन स्थानांतरण व्यवस्था को प्रभावी बनाने, विषम परिस्थितियों में कार्यरत शिक्षकों के लिए 4 प्रतिशत विभागीय कोटे के अंतर्गत ऑफलाइन स्थानांतरण की पारदर्शी व्यवस्था शुरू करने, समयबद्ध पदोन्नति सुनिश्चित करने तथा राजकीय शिक्षकों को राज्य कर्मचारी का दर्जा दिए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों के लिए संगठन निरंतर संघर्ष करता रहेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत व मध्यस्थता अभियान 3.0 को लेकर प्री-ट्रायल बैठक आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह के निर्देशन में आगामी 12 सितंबर 2026 को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत एवं ह्यराष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान-3.0ह्ल के तहत अधिकाधिक मामलों के निस्तारण को लेकर 26 अगस्त को प्री-ट्रायल बैठक आयोजित की गई।

बैठक अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नोडल अधिकारी लोक अदालत, जौनपुर रणजीत कुमार की अध्यक्षता एवं सिविल जज सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह के संयोजन में हुई। बैठक में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम अनिल कुमार यादव सहित सिविल जज सी0डि0 एवं सिविल जज जू0डि0 संवर्ग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नोडल अधिकारी लोक अदालत ने बताया कि ह्यराष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान-3.0ह्ल 01 अगस्त 2026 से दिसंबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। वहीं 12 सितंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन स्तर के आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम के वाद, बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, पारिवारिक वाद, वैवाहिक प्री-लिटिगेशन वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण, विद्युत एवं जल बिल विवाद, सेवा संबंधी वेतन एवं सेवानिवृत्ति परिलाभ संबंधी विवाद, राजस्व वाद तथा अन्य सिविल वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जाना है।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने न्यायालयों में लंबित वादों में से अधिकाधिक मामलों को मध्यस्थता अभियान-3.0 के अंतर्गत मध्यस्थता केंद्र भेजने तथा राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए अधिक से अधिक वादों को चिन्हित करने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नोटिस कम से कम दो बार प्रेषित करने तथा शत-प्रतिशत तामीला सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक का उद्देश्य आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक मामलों का आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना रहा।

स्वर्ण जयंती पर भदोही से वैश्विक बाजार को कालीन की दस्तक

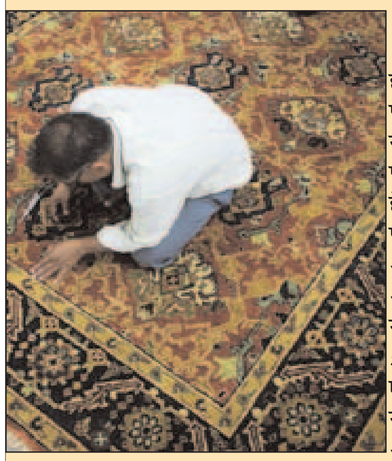

सुरेश गांधी

भदोही। भारतीय हस्तनिर्मित कालीन की पांच दशक लंबी वैश्विक यात्रा अब अपने स्वर्णिम पड़ाव पर पहुंचने जा रही है। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) की ओर से वाणिज्य मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 50वां इंडिया कार्पेट एक्सपो (स्वर्ण जयंती संस्करण) 4 से 7 अक्टूबर तक भदोही में आयोजित होगा। पांच दशकों से भारतीय कालीन निमार्ताओं और निर्यातकों को दुनिया के बाजारों से जोड़ता आया यह एक्सपो इस बार परंपरा, डिजाइन और वैश्विक कारोबार का बड़ा संगम बनने जा रहा है।

स्वर्ण जयंती संस्करण में भदोही, मिजार्पुर, वाराणसी, पानीपत, जम्मू-कश्मीर, जयपुर और बीकानेर समेत देश के प्रमुख कालीन उत्पादक क्षेत्रों के 170 निर्यातक अब तक पंजीकरण करा चुके हैं। यहां भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों की पारंपरिक बुनाई, आधुनिक डिजाइन, विविधता और गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के सामने पेश किया जाएगा। एक्सपो में विदेशी खरीदारों की भागीदारी भी उत्साहजनक है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों समेत करीब 48 देशों के 164 विदेशी खरीदार अब तक पंजीकरण करा चुके हैं। पिछले एक्सपो में करीब 400 विदेशी खरीदार पहुंचे थे। आयोजकों को इस बार स्वर्ण जयंती संस्करण में इससे भी व्यापक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी की उम्मीद है।

इस बार उभरते वैश्विक बाजारों को साधने पर विशेष जोर है। ब्रिक्स समूह से जुड़े ब्राजील, रूस, चीन, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात समेत देशों के खरीदारों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। 30 से अधिक ब्रिक्स देशों के खरीदारों की सहभागिता अब तक सुनिश्चित हो चुकी है। इससे भारतीय कालीन निर्यातकों के लिए नए बी2बी कारोबार और नए बाजार खुलने की उम्मीद है। विश्व के प्रमुख हस्तनिर्मित कालीन उत्पादन और निर्यात केंद्र के रूप में पहचान रखने वाले भदोही में एक्सपो का आयोजन स्थानीय उद्योग के लिए भी गौरव का अवसर है। यह केवल व्यापारिक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि कारीगरों की पीढ़ियों से चली आ रही कला, भारतीय कालीन उद्योग की पांच दशक की उपलब्धियों और वैश्विक बाजार में बनी उसकी पहचान का उत्सव है। स्वर्ण जयंती संस्करण भारतीय कालीनों की पारंपरिक विरासत को आधुनिक वैश्विक मांग से जोड़ते हुए निर्यात कारोबार को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

अमिताभ बच्चन ने केबीसी 18 पर पत्नी जया बच्चन को एक खास संदेश भेजा

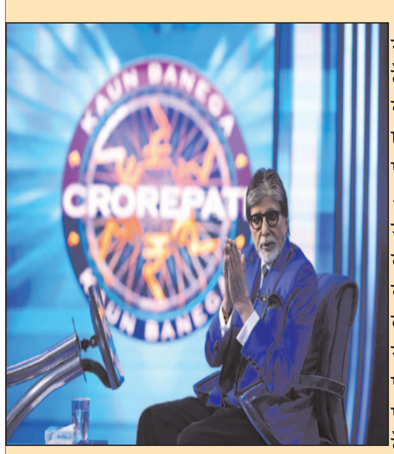

पटना (उत्तरशक्ति)। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 के एपिसोड में कंटेस्टेंट प्रीतिराज ने होस्ट अमिताभ बच्चन से मजेदार सवाल किया कि क्या उनकी पत्नी जया बच्चन उन्हें देर रात घर लौटने पर डांटती हैं। इस सवाल ने होस्ट को अपने पारिवारिक जीवन की एक प्यारी झलक साझा करने के लिए प्रेरित किया। देर रात डांट से बचने का अपना चतुर राज बताते हुए अमिताभ बच्चन ने बताया कि देखिए देवी जी हमें पता होता है कि क्या होने वाला है तो हम क्या करते हैं, कि हम सुबह उठते ही सबसे पहले जो हमारा परिवार है उनके सबके नाम लिखे हैं कॉन्टैक्ट में और एक ग्रुप बना है जिसमें हम मैसेज कर देते हैं कि नमस्कार, हाथ जोड़कर फिर लिखेंगे आज हमारा शूटिंग है इधर-उधर तो आज देर से आऊंगा तो खाने-पीने का इंतजार मत करना पहले ही बता के रखते हैं तो इसके लिए हम बच जाते हैं। लेकिन मान लीजिए कि आपने नहीं बताया, तब पड़ेगी आपको यह बोलकर कि कहाँ थे आप, आपने बताया नहीं यह कोई वक्त हैं अनेका। तो अगर हमें बहुत देर होती है तो वो खुद ही खाना खा लेती हैं और सोने चली जाती हैं।

बिजली गिरने से दो की मौत सात लोग घायल

आजमगढ़। जिले में बृहस्पतिवार की दोपहर बारिश हुई। इस दौरान बरदह और सरायमीर थाना क्षेत्र में हुई अलग-अलग घटनाओं में नीतू देवी (40) और साहिल (16) की मौत हो गई। छह महिलाएं झुलस गईं।

गंभीर हालत में चार महिलाओं को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बरदह थाना क्षेत्र के लसड़ा कला गांव की सिवान में बृहस्पतिवार की दोपहर करीब 12:30 बजे धान के खेत में महिलाएं निराई कर रही थीं। इसी दौरान अचानक बिजली गिरने से सात महिलाएं उसकी चपेट में आ गईं। हादसे में नीतू देवी की मौत हो गई। वहीं, गर्भवती अनीता देवी, रेनू देवी, राधिका देवी, सरिता, संजना और गीता देवी झुलस गईं। ग्रामीणों की मदद से सभी को उपचार के लिए पीएचसी ठेकमा और सीएचसी महुजा ले जाया गया। चिकित्सकों ने नीतू देवी को मृत घोषित कर दिया। अनीता और रेनू की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल जौनपुर रेफर किया गया। वहीं, अन्य चार महिलाओं को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नीतू देवी के तीन पुत्र और एक पुत्री हैं। उनके पति मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि पंचनामा बनाकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सरायमीर थाना क्षेत्र के टेवखर गांव में बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12:30 बजे खेत घूमने गए साहिल (16) की बिजली की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। परिजन और ग्रामीण उसे आनन-फानन निजी चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। साहिल कक्षा पांच तक पढ़ा था। इसके बाद वह घर पर रहकर पिता के साथ खेती-किसानी में हाथ बंटाता था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। इकलौते पुत्र की मौत से पिता मनोज, मां और चार बहनों समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

3.35 करोड़ से सात सहकारी समितियों पर बनेंगे गोदाम

आजमगढ़। जिले की सात साधन सहकारी समितियों पर खाद-बीज के भंडारण की सुविधा को मजबूत करने के लिए 100-100 मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम बनाए जाएंगे। सहकारिता विभाग ने इसके लिए 3.35 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेज दिया है। शासन से बजट की स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण शुरू कराया जाएगा। गोदाम निर्माण के लिए संबंधित समितियों पर जमीन पहले ही चिह्नित की जा चुकी है। एआर सहकारिता अजय कुमार ने बताया कि जमीरपुर, प्रतापपुर, जमुई चक भटौली, तेजा जगदीशपुर, मनवीरपुर, खजई अम्माट और डीहा समस्ती साधन सहकारी समिति का चयन गोदाम निर्माण के लिए किया गया है। प्रत्येक समिति पर 100 एमटी क्षमता का गोदाम बनाया जाएगा। एक गोदाम के निर्माण पर करीब 45 से 50 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। इससे समितियों पर खाद और बीज रखने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो सकेगा और किसानों को भी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने बताया कि सहकारी समिति प्रतापपुर वर्तमान में किराए के भवन में संचालित हो रही है। इसके अलावा जिले की कई अन्य समितियों के भवन भी मरम्मत योग्य हैं। समितियों पर आधारभूत सुविधाएं बढ़ाने के लिए शासन की ओर से गोदाम निर्माण के प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में विभाग ने इस माह सात समितियों पर गोदाम के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा है।

ग्राम पंचायत अधिकारी विनय कुमार यादव का नेशनल सिविल सर्विसेज के लिए चयन

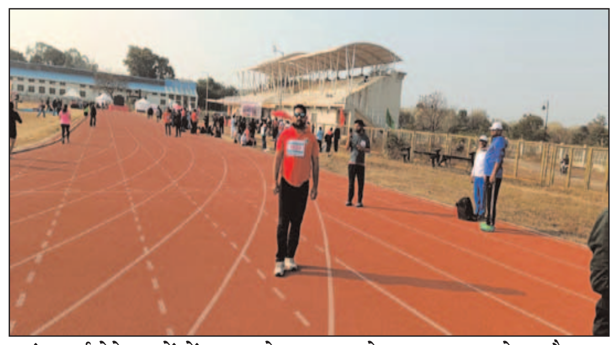

जौनपुर। मेरठ के कैलाश प्रकाश स्टेडियम में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज प्रतियोगिता के लिए दो दिवसीय स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप के आयोजन में वाराणसी मंडल के पंचायती राज विभाग के जौनपुर जिले के महाराजगंज ब्लॉक के पंचायत सेक्रेटरी विनय कुमार यादव का चयन नेशनल सिविल सर्विसेज के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता ज्योति प्रकाश ओझा समीक्षा अधिकारी सचिवालय उत्तर प्रदेश शासन एवं कोच गौरव त्यागी के देखरेख में संपन्न हुआ। उनके चयन पर जनपद जौनपुर के पंचायती राज विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में भारी प्रसन्नता व्याप्त है। नेशनल के लिए चयनित होने पर महाराजगंज ब्लॉक के पंचायत सेक्रेटरी संघ के अध्यक्ष विनय कुमार यादव के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करने एवं बधाई देने वालों में उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप सिंह , जिला पंचायत राज अधिकारी जौनपुर नवीन कुमार सिंह , महाराजगंज ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी दिनेश मौर्य, बदलापुर ब्लॉक के सहायक विकास अधिकारी पंचायत रणजीत सिंह शामिल हैं। आयोजित सिविल सर्विसेज स्पोर्ट्स ट्रायल/चयन मीट वर्ष 2026-27 का प्रदेश स्तर का आयोजन कैलाश प्रकाश स्टेडियम मेरठ मण्डल जनपद मेरठ में किया गया था । जिसमें उ०प्र० के 18 मण्डल से कुल 150 विभिन्न विभागों से खिलाड़ी मण्डल स्तर से चयनित होकर आये थे, जिसमें से ओपन पुरुष वर्ग में 17 खिलाड़ी, महिला ओपन में 14 खिलाड़ी एवं 40 से 60 आयु वर्ग में 14पुरुष एवं 40 से 60 की आयु वर्ग में कुल 4 महिला खिलाड़ियों का चयन नेशनल सिविल सर्विसेज के लिए हुआ है। प्रतिभागी के रूप में चयनित खिलाड़ी के रूप में राजस्व विभाग/आजमगढ़ मण्डल से S.D.M. सुनील कुमार भारती एवं न्याय विभाग के आगरा मण्डल से महेश चंद्र वर्मा एवं पंकज मिश्रा समीक्षा अधिकारी सचिवालय उ०प्र० शासन एवं वाराणसी मण्डल के पंचायत राज विभाग से ग्राम पंचायत अधिकारी विनय कुमार यादव जौनपुर और महिला वर्ग से अनीता सिंह आबकारी विभाग जौनपुर का चयन नेशनल में हुआ है। जिससे जनपद के सभी कर्मचारियों/अधिकारियों में खुशी की लहर है । मौके पर उपस्थित जनपद जौनपुर के पूर्व जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र ने विनय कुमार यादव का उत्साहवर्धन हेतु नेशनल में भी अपना झंडा बुलन्द रखनें का आशिर्वाद दिया।

नेपाल जलप्रलय में महराजगंज गंडक नदी से तीन शव बरामद

महराजगंज(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले में गुरुवार को गंडक नदी से तीन शव बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इन शवों में दो महिलाओं के शव भी शामिल हैं। आशंका है कि ये शव नेपाल में आई बाढ़ के कारण बहकर भारतीय क्षेत्र में आ गए हैं। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की एक बचाव टीम नदी और आसपास के इलाकों की निगरानी कर रही थी। इसी दौरान टीम ने तेज धारा में बहते हुए शवों को देखा। टीम ने मोटरबोट का इस्तेमाल कर शवों को नदी से बाहर निकाला। इन शवों को जिला मुख्यालय स्थित मोर्चरी में भेजा गया है। मृतकों की पहचान तत्काल नहीं हो पाई है। उनकी पहचान स्थापित करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं की जा रही हैं। एसएसबी इंस्पेक्टर अरुण पांडे ने बताया कि अब तक भारतीय क्षेत्र में नेपाल से गंडक नदी में बहकर आए तीन शव बरामद हुए हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल में भारी बाढ़ के कारण नदी तेजी से बह रही है। आशंका है कि और भी शव भारतीय क्षेत्र में बहकर आ सकते हैं। एसएसबी और जिला प्रशासन मृतकों के परिजनों का पता लगाने के लिए नेपाल के संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं।

पेड़ से बांधा, लाठियों से पीटा... फिर खेत में फेंक दिया मजदूर का शव

सुरेश गांधी

वाराणसी। जिस समाज में किसी पर चोरी का संदेह भर होने पर भी उसे कानून के हवाले करने की व्यवस्था है, उसी समाज में एक मजदूर को पेड़ से बांधकर लाठियों से पीटने और उसकी जान चले जाने की घटना ने इंसानियत को झकझोर दिया है। चोलापुर के गोसाईंपुर में सामने आई यह घटना सिर्फ एक मजदूर की मौत की कहानी नहीं, बल्कि उस खतरनाक मानसिकता का आईना है जिसमें कानून हाथ में लेकर किसी इंसान को सजा देने का अधिकार खुद ही हासिल कर लिया जाता है।

मृतक रामजनम वनवासी (45) चंदौली के धरायन गांव का रहने वाला था और चोलापुर क्षेत्र के गोसाईंपुर स्थित अपनी ससुराल में रहकर ईंट-भट्ठे पर मजदूरी करता था। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त को वह हड़ियाडीह स्थित ईंट-भट्ठे के पास दिखाई दिया। आरोप है कि चोरी के शक में भट्ठा मालिक अजय सिंह ने अपने साथी विशाल सिंह के साथ उसे पकड़ लिया। इसके बाद रामजनम को पेड़ से बांधकर लाठी-डंडों से पीटा गया।

इस पूरी घटना की सबसे भयावह कड़ी वह वीडियो है, जिसने पुलिस की जांच का रुख बदल दिया। वीडियो में रामजनम को पेड़ से बांधकर पीटते हुए लोग दिखाई दे रहे हैं। जिस व्यक्ति ने जीवनभर मेहनत कर परिवार का पेट पालने के लिए मजदूरी की, वह उस समय बंधा हुआ था और उसके पास अपने बचाव का कोई रास्ता नहीं था। पिटाई के बाद रामजनम बेसुध हो गया। पुलिस के अनुसार, इसके बाद उसे उसकी ससुराल पहुंचाने के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। आरोप है कि इसके बाद उसका शव खेत में छोड़ दिया गया।

21 अगस्त को चोलापुर क्षेत्र में अज्ञात शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। शव की हालत ऐसी थी कि उसकी पहचान भी तत्काल आसान नहीं थी। बाद में परिजनों ने उसकी शिनाख्त रामजनम के रूप में की। शुरूआती जांच के बाद पोस्टमार्टम और शरीर पर मिले चोट के निशानों ने पुलिस को घटना की तह तक जाने के लिए मजबूर किया। इसी बीच सामने आए पिटाई के वीडियो ने उस कहानी को खोल दिया, जो एक अज्ञात शव मिलने से शुरू हुई थी। वीडियो के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और अजय सिंह तथा विशाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ हत्या के मामले में कार्रवाई की है।

रामजनम की मौत के साथ सबसे बड़ा सवाल यही खड़ा होता है कि आखिर किसी व्यक्ति को चोरी के शक में खुद सजा देने का अधिकार किसने दे दिया? शक था तो पुलिस थी, कानून था, जांच की पूरी व्यवस्था थी। लेकिन आरोप है कि कानून की जगह लाठियों ने फैसला किया और उस फैसले की कीमत एक मजदूर को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। इस घटना को किसी जाति या समुदाय के खिलाफ सामान्यीकृत करने के बजाय एक खतरनाक सामाजिक और आपराधिक मानसिकता के रूप में देखना जरूरी है। किसी की सामाजिक हैसियत, गरीबी, पेशा या पहचान उसे कमतर इंसान नहीं बनाती। गरीब मजदूर की जिंदगी भी उतनी ही कीमती है जितनी किसी प्रभावशाली व्यक्ति की।

रामजनम अब वापस नहीं आएगा। उसके परिवार के लिए खेत में मिला वह शव सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि पूरे घर की जिंदगी पर पड़ा ऐसा घाव है जो शायद कभी नहीं भरेगा। इस घटना का सबसे जरूरी संदेश यही है— संदेह अपराध का प्रमाण नहीं होता और भीड़, मालिक या कोई व्यक्ति अदालत नहीं बन सकता। किसी पर आरोप हो तो कानून अपना काम करे। किसी मजदूर को पेड़ से बांधकर पीटना, उसके साथ अमानवीय व्यवहार करना और उसकी जान चले जाने के बाद शव को खेत में छोड़ देना किसी भी सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य है। अब जरूरत सिर्फ गिरफ्तारी की नहीं, बल्कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष और गहन जांच की है। जो भी व्यक्ति इस अपराध में शामिल रहा हो, उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कठोरतम कार्रवाई हो और रामजनम के परिवार को न्याय मिले—यही उस मजदूर के प्रति समाज की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। एक पेड़ से बंधा रामजनम सिर्फ एक तस्वीर नहीं छोड़ गया है।

नेपाल में फंसे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू में जुटीं SDRF और PAC की टीमें,

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। नेपाल में बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के बीच फंसे यूपी के लोगों को निकालने के लिए एसडीआरएफ और पीएसी की टीमें नेपाल भेजी गई हैं। राहत-बचाव के लिए एसडीआरएफ के 32 जवान और पीएसी की 26वीं बटालियन के 22 जवान नेपाल पहुंचकर रेस्क्यू में जुट गए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव के लिए चार रबर बोट मौजूद हैं। अब एक एल्युमिनियम बोट भी नेपाल भेजी जा रही है। सिंधुरिया क्षेत्र में बचाव अभियान की तैयारी की जा रही है। जरूरत पड़ने पर और जवान और संसाधन भेजे जाएंगे। ये जानकारी प्रदेश सरकार ने दी है। अधिकारियों के मुताबिक मुख्यमंत्री के निर्देश पर टीमें भेजी गई हैं। जिससे प्रदेश के लोगों को निकाला जा सके। वहीं नेपाल में फंसे यूपी के लोगों की जानकारी लेने और मदद के लिए उनके परिजन 1070 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। नेपाल सीमा से लगे यूपी के जिलों की स्थिति पर भी नजर रखी जा रही है। सरकार का कहना है कि नेपाल में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना प्राथमिकता है। इसके लिए वहां की स्थिति के अनुसार बचाव अभियान चलाया जाएगा। नेपाल में भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा को देखते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने सीमावर्ती जिलों में सतर्कता के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आपदा से हुए जान-माल की क्षति पर दुख जताते हुए महाराजगंज और कुशीनगर के स्थानीय प्रशासन को जरूरी तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा है। देवरिया में भी हाई अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं, सीएम ने प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और अतिवृष्टि को देखते हुए अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने और जरूरतमंद परिवारों को हरसंभव मदद का निर्देश दिया है। उन्होंने नुकसान का आकलन कर पीड़ितों को 24 घंटे में मुआवजा देने को कहा है। प्रदेशवासियों से उन्होंने सावधानी बरतने की भी अपील की है।

खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम में छात्रों ने जाना खेलों का महत्व

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर में राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वितीय एवं तृतीय के संयुक्त तत्वावधान में खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एथलीट नितिन सिंह ने छात्रों से संवाद करते हुए जीवन में खेलों की प्रासंगिकता एवं महत्व पर चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारंभ परिसर प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार यादव ने अतिथि को स्मृति चिन्ह एवं स्वामी विवेकानंद का चित्र प्रदान कर किया। इकाई द्वितीय एवं तृतीय के कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. मनोज कुमार गौतम और डॉ. मृत्युंजय कुमार पांडेय ने माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज कुमार गौतम ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मृत्युंजय कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. मानिकचंद पांडेय, डॉ. अविनाश कुमार दुबे, डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ. विनोद कुमार पांडेय, डॉ. आनंद प्रिया सिंह एवं प्रशांत विश्वकर्मा सहित शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसेवकों तनु साहनी, रोशनी, नगमा खातून, सरस्वती और विशेष जायसवाल की भूमिका सराहनीय रही।

दुद्धी में रेडीमेड मिठाइयों की रही रौनक, जांच टीम आई और चली गई

सुशील कुमार तिवारी

दुद्धी ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पहले दुध्दी नगर का बाजार रेडीमेड मिठाइयों से गुलजार रहा। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण सस्ती रेडीमेड मिठाइयों की ओर गरीब तबके के लोग अधिक आकर्षित होते हैं। पड़ोसी राज्यों और आसपास के जिलों से बड़ी मात्रा में रेडीमेड मिठाइयां नगर में पहुंचीं, जिससे मिठाई की दुकानें सज गईं।

गुरुवार को तहसील प्रशासन और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने दुद्धी नगर में जांच अभियान चलाया। टीम के पहुंचते ही कई रेडीमेड मिठाई विक्रेता दुकानें बंद कर वहां से चले गए। कई घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान जिन दुकानों को खुला पाया गया, वहां से मिठाइयों के नमूने एकत्र किए गए।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जांच टीम के वापस लौटने की जानकारी मिलते ही बंद पड़ी कई दुकानें दोबारा खुल गईं और देर रात तक मिठाइयों की बिक्री होती रही। नगर में यह भी चर्चा रही कि बस स्टैंड के समीप एक मिठाई की दुकान से दुकानदार द्वारा मंगाई गई विशेष मिठाई का नमूना जांच टीम ने लिया।

बताया गया कि टीम ने कुल चार स्थानों से एक-एक नमूना एकत्र किया और वापस लौट गई। इसके बाद बाजार में फिर से मिठाइयों की बिक्री शुरू हो गई।

कुछ प्रबुद्धजनों का कहना है कि खाद्य पदार्थों के नमूने तो लिए जाते हैं, लेकिन जांच के बाद उन नमूनों में क्या पाया गया और संबंधित दुकानदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं हो पाती। लोगों ने खाद्य विभाग से जांच के परिणाम और कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है।

जलभराव और गंदगी पर तत्काल कार्रवाई करें, नगरों में कहीं कूड़े का ढेर न दिखे : ए.के. शर्मा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी मंत्री एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने पुलिस लाइन सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ विकास कार्यों व जनसुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने बरसात को देखते हुए जलभराव, साफ-सफाई, पेयजल और संक्रामक रोगों की रोकथाम को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

मंत्री ने नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलभराव वाले स्थानों पर तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कर स्थायी समाधान किया जाए। मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित एंटी लार्वा छिड़काव और फॉगिंग कराने को कहा। साथ ही बाजारों, प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर नियमित कूड़ा उठान एवं विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में डेंगू, मलेरिया और वायरल बुखार की रोकथाम के लिए निगरानी बढ़ाने तथा अस्पतालों में दवाओं, अतिरिक्त बेड, ऑक्सीजन और वेंटिलेटर की पर्याप्त व्यवस्था रखने को कहा गया। कृषि विभाग से खाद-उर्वरक की उपलब्धता और विद्युत विभाग से ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि व विद्युत आपूर्ति की जानकारी ली।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का प्राथमिकता और समयबद्धता से निस्तारण किया जाए। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने विकास परियोजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश भी दिए।

बैठक में विधायक बदलापुर रमेश सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बाढ़ से घिरे नेपाल को भारत की मदद, विदेश मंत्री जयशंकर ने की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। भारत ने अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के प्रति अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए एक बार फिर संकट के समय नेपाल के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' की अपनी ऐतिहासिक भूमिका को निभाया है। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन की विभीषिका से निपटने के लिए भारत सरकार ने 26 अगस्त को त्वरित कार्रवाई करते हुए 10 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) सामग्री तथा जीवन रक्षक दवाओं की पहली खेप काठमांडू भेजी। इसके ठीक अगले ही दिन, 27 अगस्त को भारत ने वायुसेना के विशेष सैन्य विमान से 37.5 टन राहत सामग्री की दूसरी बड़ी किस्त भी रवाना कर दी है, ताकि मुश्किल दौर से गुजर रहे पड़ोसी देश को तत्काल राहत मिल सके। आपदा की गंभीरता को देखते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपनी कूटनीतिक और प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 27 अगस्त को नई दिल्ली में एक अत्यंत महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक की। इसकी जानकारी देते हुए जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, नेपाल में बाढ़ की आपदा को लेकर विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय की टीम और काठमांडू व बीजिंग में हमारे राजदूतों के साथ समीक्षा बैठक की। बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी भारतीयों की स्थिति और उनकी सलामती का पता लगाने के लिए तेजी से कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने आगे लिखा, विदेश मंत्रालय इस मामले में अलग-अलग मंत्रालयों, राज्य सरकारों, टूर ऑपरेटरों और प्रोजेक्ट अधिकारियों के साथ तालमेल बैठा रहा है। हम इस पहलू और राहत कार्यों, दोनों पर नेपाली पक्ष के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि भारत नेपाली अधिकारियों के साथ निकट और निरंतर संपर्क में बना हुआ है और भारत चल रहे राहत प्रयासों का पुरजोर समर्थन करना जारी रखेगा।

काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने संस्कृति, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री खड़का राज पौडेल को भारत द्वारा भेजी गई सहायता सामग्री सौंपी गई है और 37.5 टन एचएडीआर सामग्री, दवाओं और खाद्य पैकेटों की दूसरी खेप भी विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्री महाबीर पुन को सौंप दी गई है। दूतावास ने बताया कि उसके तमाम अधिकारी अलर्ट मोड पर हैं और नेपाल में रहने वाले भारतीयों की सहायता एवं सुरक्षा के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किए गए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए गए तमिलनाडु के 21 भारतीय नागरिकों को नेपाल में बचाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि नेपाल में बाढ़ की स्थिति के लिए विदेश मंत्रालय में विशेष नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। भारत की ओर से यह त्वरित सहायता इस बात का जीवंत प्रमाण है कि भारत अपने पड़ोसी देशों के सुख-दुख को अपनी साझा नियति मानता है। चाहे वर्ष 2015 का विनाशकारी भूकंप रहा हो, 2019-20 में कोविड-19 महामारी हो या वर्तमान बाढ़ की आपदा, भारत ने हमेशा बिना किसी देरी के 'बड़ा भाई' होने का फर्ज निभाया है।

इंदौर में चौकीदार पर दो बार चढ़ाई कार मौत

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के लसुड़िया इलाके में टाउनशिप में कार लेकर जबरन घुसने से रोकने पर चौकीदार को कार से कुचलकर मार डाला। विवाद के दौरान आरोपी ने पहले चौकीदार को थप्पड़ मारा। इसके बाद कार मोड़कर आया और चौकीदार और उसके रिश्तेदार को कुचल दिया। इतने पर भी जी नहीं भरा तो आरोपी दोबारा कार लेकर लौटा और चौकीदार को फिर कुचलकर भाग निकला। गंभीर हालत में चौकीदार को एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हादसे में उसका रिश्तेदार भी घायल हुआ है। टीआई राजकुमार यादव के मुताबिक, घटना द एक्जोटिका टाउनशिप के गेट के पास बुधवार रात करीब 10 बजे की है। अरडिया गांव निवासी राजा उर्फ कमल कुमावत अपने दोस्तों के साथ कार लेकर टाउनशिप में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। वहां तैनात चौकीदार धर्मेंद्र पुत्र रामचंद मालवीय ने उसे रोक दिया। उस समय धर्मेंद्र के साथ उसका रिश्तेदार गोविंद भी मौजूद था। धर्मेंद्र के चाचा मनोहर ने बताया कि प्रवेश को लेकर विवाद के दौरान राजा ने धर्मेंद्र को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद टाउनशिप के मालिक ने मोबाइल पर उसकी बात कराई थी। मालिक ने राजा को कार लेकर वहां से जाने के लिए कहा। इसके बाद वह कार लेकर बाहर चला गया। आरोप है कि कुछ देर बाद राजा कार लेकर वापस आया और धर्मेंद्र व गोविंद पर कार चढ़ा दी। हादसे में गोविंद के पैर में फ्रैक्चर हो गया। इसके बाद आरोपी ने कार को फिर पलटाया और दूसरी बार धर्मेंद्र के ऊपर चढ़ाकर मौके से भाग गया। आरोप है कि कुछ देर बाद राजा कार लेकर वापस आया और धर्मेंद्र व गोविंद पर कार चढ़ा दी। हादसे में गोविंद के पैर में फ्रैक्चर हो गया। इसके बाद आरोपी ने कार को फिर पलटाया और दूसरी बार धर्मेंद्र के ऊपर चढ़ाकर मौके से भाग गया। गंभीर रूप से घायल धर्मेंद्र को परिजन एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। धर्मेंद्र करीब एक साल से टाउनशिप में चौकीदारी कर रहा था और मूल रूप से देवास का रहने वाला था। उसके परिवार में पत्नी, दो बच्चे और मां हैं। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश में उसके घर पर दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है और घटना के सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

इंडियाफर्स्ट लाइफ में सेल्सफोर्स एजेंटफोर्स की मदद से एआई आधारित बदलाव

मुंबई। सेल्सफोर्स, #1 एजेंटिक सीआरएम कंपनी, ने आज घोषणा की कि बैंक ऑफ बड़ौदा की सहायक कंपनी, इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने अपने पूरे व्यवसाय में एआई परिवर्तन को गति देने के लिए सेल्सफोर्स के एजेंटफोर्स को चुना किया है। इंडियाफर्स्ट लाइफ महत्वपूर्ण कार्यों में भरोसेमंद एआई एजेंट्स का उपयोग करेगी। इससे बिक्री की गति बढ़ाने, संचालन को सरल बनाने और बड़े पैमाने पर ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। यह पहल इंडियाफर्स्ट लाइफ के एकीकृत सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म पर आधारित है। यह प्लेटफॉर्म ग्राहक प्राप्त करने से लेकर बीमा दावे की प्रक्रिया पूरी होने तक, पूरे बीमा सफर को सपोर्ट करता है। सेल्सफोर्स के साथ इंडियाफर्स्ट लाइफ के सहयोग का यह अगला चरण है। इससे अधिक बुद्धिमान और ग्राहक-केंद्रित जीवन बीमा सेवाएं प्रदान करने के कंपनी के उद्देश्य को और मजबूती मिलेगी।

2009 में स्थापित इंडियाफर्स्ट लाइफ वर्तमान में भारत के 90% से अधिक पिनकोड में ग्राहकों को सेवाएं प्रदान कर रही है और अपने वितरण नेटवर्क का लगातार विस्तार कर रही है। इन उद्देश्यों को समर्थन देने के लिए कंपनी अपने व्यवसाय के तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एजेंटफोर्स का उपयोग करेगी। इनमें नए बीमा प्रस्तावों का मूल्यांकन, ग्राहक सेवा और बीमा दावों की प्रक्रिया शामिल हैं। नए बीमा प्रस्तावों का मूल्यांकनः एआई एजेंट्स अंडरराइटिंग के नियमों के अनुसार केवाईसी, वित्तीय और चिकित्सा दस्तावेजों की जांच करेंगे। वे किसी भी विसंगति की पहचान करेंगे, जोखिम का आकलन करेंगे और सही निर्णय लेने में सहायता करेंगे। इससे पॉलिसी जारी करने की प्रक्रिया तेज होगी। साथ ही, कार्यों में निरंतरता, नियमों का अनुपालन और दस्तावेजों की जांच अधिक प्रभावी तरीके से की जा सकेगी। ग्राहक सेवाः एआई एजेंट्स ग्राहकों से प्राप्त शिकायतों और अनुरोधों का वर्गीकरण करेंगे, ग्राहकों के मूड और भावनाओं को समझेंगे तथा नियमों के अनुसार उचित जवाब तैयार करेंगे। इससे ग्राहकों के सवालों का जवाब देने में लगने वाला समय कम होगा और कर्मचारी अधिक जटिल ग्राहक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। क्लेम प्रक्रियाः माइक्रो इंश्योरेंस और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से संबंधित दावों के लिए एआई एजेंट्स दस्तावेजों की जांच करेंगे, यह पता लगाएंगे कि कौन-सी जानकारी या दस्तावेज अधूरे हैं और आवश्यक मामलों को आगे की जांच के लिए संबंधित टीम के पास भेजेंगे। इससे क्लेम प्रक्रिया तेज होगी और ग्राहकों को समय पर सेवा प्रदान करने में मदद मिलेगी।

एजेंटफोर्स का कार्यान्वयन इंडियाफर्स्ट लाइफ के संचालन में पहले से उपयोग की जा रही सेल्सफोर्स-आधारित प्रौद्योगिकी व्यवस्था पर आधारित है। सेल्सफोर्स का एजेंटफोर्स फाइनेंशियल सर्विस जीवन बीमा कंपनी के ग्राहकों के साथ जुड़ने के लिए मुख्य प्लेटफॉर्म के रूप में काम करता है। इससे बिक्री टीम, वितरकों और ग्राहक सेवा प्रतिनिधियों को ग्राहकों की जानकारी एक ही स्थान पर देखने की सुविधा मिलती है। बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट की मदद से नए बीमा कारोबार, बीमा प्रस्तावों के मूल्यांकन, ग्राहक सेवा और क्लेम जैसी प्रक्रियाओं के काम करने के तरीकों को एकरूप बनाया जाता है। म्यूलसॉफ्ट के माध्यम से इंडियाफर्स्ट लाइफ के अपने यूनिफाई सेल्स सुपर ऐप और सेल्सफोर्स के बीच रियल-टाइम में जानकारी का आदान-प्रदान होता है। इसके साथ ही, एनालिटिक्स और ऑपरेशनल डैशबोर्ड के उपयोग से सूचनाओं का सुचारू प्रवाह, कामकाज पर स्पष्ट निगरानी और डेटा के आधार पर बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है।

रुषभ गांधी, प्रबंध निदेशक और सीईओ, इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस, ने कहा, सेल्सफोर्स के साथ इंडियाफर्स्ट लाइफ की डिजिटल परिवर्तन की यात्रा ने बिक्री प्रक्रिया में सुधार किया है और पूरे सफर में ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाया है। एजेंटफोर्स के माध्यम से हम इस मजबूत आधार को आगे बढ़ा रहे हैं और महत्वपूर्ण व्यावसायिक प्रक्रियाओं में एआई एजेंट्स का उपयोग करके काम को और तेज करने का प्रयास कर रहे हैं। अरुंधती भट्टाचार्य, प्रेसिडेंट और सीईओ, सेल्सफोर्स झ्र साउथ एशिया, ने कहा, इंडियाफर्स्ट लाइफ यह दर्शा रही है कि एक मजबूत डिजिटल व्यवस्था के आधार पर एआई एजेंट्स का उपयोग करके व्यवसाय को किस तरह अधिक सक्षम बनाया जा सकता है। पहले से एकीकृत सेल्सफोर्स व्यवस्था में एजेंटफोर्स का विस्तार करने से कंपनी महत्वपूर्ण कार्यों में भरोसेमंद एआई का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकती है। इस विस्तारित सहयोग से इंडियाफर्स्ट लाइफ को संचालन को अधिक तेज और लचीला बनाने, ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने और बीमा प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में एआई के उपयोग को बढ़ाते हुए नए एवं अभिनव प्रयास जारी रखने में मदद मिलेगी।

स्किपर लिमिटेड को 1,305 करोड़ के नए ऑर्डर प्राप्त हुए

मुंबई/कोलकाता। पावर ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन (T&D) संरचनाओं के दुनिया के अग्रणी निर्माताओं में से एक और 765 केवी ट्रांसमिशन लाइनों एवं सबस्टेशन के क्षेत्र में प्रमुख एंड्ड कंपनी स्किपर लिमिटेड (BSE: 538562; NSE: SKIPPER) ने विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय T&D परियोजनाओं के लिए कुल 1,305 करोड़ के नए ऑर्डर प्राप्त किए हैं। नए ऑर्डर का विवरण कंपनी को भारत के विभिन्न हिस्सों और अंतरराष्ट्रीय निर्यात बाजारों में पावर T&D परियोजनाओं के लिए नए ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए, स्किपर लिमिटेड के निदेशक, शरण बंसल ने कहा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से कुल 1,305 करोड़ के नए ऑर्डर प्राप्त होना, स्किपर की परियोजना निष्पादन क्षमता, तकनीकी विशेषज्ञता और ग्राहकों के बढ़ते विश्वास का मजबूत प्रमाण है। विशेष रूप से हमारे निर्यात कारोबार में दोबारा आई गति हमें उत्साहित करती है। हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप विकसित बाजारों से ऑर्डर में तेजी देखने को मिल रही है। इन ऑर्डरों की व्यापकता और विविधता हमारे T&D पोर्टफोलियो को और मजबूत करती है तथा विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में जटिल पावर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करती है।

उन्होंने आगे कहा, विशेष रूप से हमें लक्षित विकसित बाजारों में निर्यात के अवसर बढ़ते देखकर हमें खुशी हो रही है और जैसे-जैसे बाजार की परिस्थितियों में सुधार जारी रहेगा, हमें उम्मीद है कि यह गति और मजबूत होगी। ऑर्डर इनफ्लो में बनी हुई निरंतर तेजी भारत और दुनियाभर में ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्रिड विस्तार और नवीकरणीय ऊर्जा के ग्रिड में एकीकरण के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण निवेश को दर्शाती है। मजबूत ऑर्डर बुक और पाइपलाइन के साथ-साथ हमारे प्रमुख बाजारों में बढ़ते अवसरों को देखते हुए, हम सुव्यवस्थित परियोजना चयन, कुशल क्रियान्वयन और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय कारोबार के बीच संतुलित मिश्रण के माध्यम से अपने व्यवसाय के विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि ये अवसर सतत विकास को बढ़ावा देंगे और हमारे हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने में सक्षम बनाएंगे।

एएमएनएस पारादीप लॉजिस्टिक्स को 30 वर्षों के लिए कैप्टिव आधार पर ड्राई बल्क कार्गो प्रबंधन हेतु पारादीप पोर्ट अथॉरिटी से मिला कंसेशन अवॉर्ड

मुंबई। तटीय जहाजरानी को पर्यावरण के अनुकूल, किफायती और कम ईंधन खर्च वाला परिवहन बनाने की भारत सरकार की नीति के अनुरूप, पारादीप पोर्ट अथॉरिटी ने एएम/एनएस इंडिया की एसपीवी, एएमएनएस पारादीप लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड को कंसेशन अवॉर्ड प्रदान किया है, जिसके तहत कंपनी कैप्टिव आधार पर ड्राई बल्क कार्गो के प्रबंधन के लिए 10 MTPA क्षमता वाले CQ III घाट को आधुनिक (मशीनीकृत) बनाएगी। ओडिशा के पारादीप में बने बीजू कन्वेंशन में 21 अगस्त, 2026 को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में यह अवॉर्ड भारत सरकार के केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने एएम/एनएस इंडिया के कॉर्पोरेट अफेयर्स चीफ दीपक अरोड़ा को सौंपा।

30 वर्षों के लिए प्रदान किया गया यह कंसेशन कार्गो की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेगा, एएम/एनएस इंडिया की परिचालन कुशलता को बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण स्थिरता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा। यह अरेंजमेंट एएमएनएस पारादीप लॉजिस्टिक्स को एक पूरी तरह से स्वचालित (मशीनीकृत) कन्वेयर सिस्टम के माध्यम से लोह अयस्क छर्रों की शिपमेंट को संभालने में सक्षम बनाएगा, जो एएम/एनएस इंडिया के पैलेट प्लांट कॉम्प्लेक्स से सीधे पारादीप पोर्ट अथॉरिटी स्थित घाट से जुड़ा हुआ है। एएम/एनएस इंडिया द्वारा पारादीप से हजीरा तक लोह अयस्क छर्रों का तटीय परिवहन पर्यावरण के अनुकूल एक स्थापित परिवहन माध्यम है। सीक्यू III घाट का यह कैप्टिव उपयोग न केवल एएम/एनएस इंडिया के दीर्घकालिक विकास में मदद करेगा, बल्कि कंपनी की मजबूत और पर्यावरण-अनुकूल आपूर्ति श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में भी काम करेगा। यह अवॉर्ड लॉजिस्टिक्स क्षमताओं को मजबूत करने और बंदरगाह के कार्यों को आधुनिक बनाने की एएम/एनएस इंडिया की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह पारादीप को एक वैश्विक समुद्री प्रवेश द्वार बनाने में परिचालन उत्कृष्टता, नवाचार और साझेदारी के प्रति एएम/एनएस इंडिया की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर ओडिशा सरकार के उद्योग, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संपद चंद्र स्वाईं, जगतसिंहपुर के सांसद श्री बिभू प्रसाद तरै; पारादीप पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष पी. एल. हरनाध, पारादीप पोर्ट अथॉरिटी के उपाध्यक्ष टी. वेणु गोपाल; एएम/एनएस इंडिया के ओडिशा ऑपरेशंस के प्रमुख यू.एस.आर. राजू सहित पीपीए के वरिष्ठ अधिकारी और पारादीप के कॉर्पोरेट जगत के अन्य नेता उपस्थित थे।

डीएसपी एसेट मैनेजर्स ने कोमल नारंग को वितरण प्रमुख बनाया

मुंबई। डीएसपी एसेट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड (डीएसपीएएम) ने आज कोमल नारंग को वितरण प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की। वे उषा नायर का स्थान लेंगी। नायर डीएसपी से रिटायर हो रही हैं। नई भूमिका में कोमल डीएसपीएएम की वितरण रणनीति का नेतृत्व करेंगी। कंपनी का लक्ष्य वितरण भागीदारों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना और देशभर के निवेशकों तक अपने निवेश सॉल्यूशन की पहुंच बढ़ाना है। कोमल को वित्तीय सेवा क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव है। उन्हें वितरण, सेल्स नेतृत्व, कस्टमर एंगेजमेंट और बिजनेस डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव है। वह जियोब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड से डीएसपीएएम में आई हैं। जियोब्लैकरॉक में वह चीफ क्लाइंट ऑफिसर के रूप में कार्यरत थीं। वहां उन्होंने सेल्स, मार्केटिंग और डिजिटल पहलों का नेतृत्व किया।

जियोब्लैकरॉक से पहले कोमल करीब 10 साल आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट में रहीं। इस दौरान उन्होंने ग्राहक जुड़ाव और कारोबार विकास से जुड़े सीनियर लीडरशिप के पदों पर काम किया। उनका सबसे अंतिम अहम रोल हेड (कस्टमर एंगेजमेंट) था। इस भूमिका में रहते हुए उन्होंने एएमसी के बी2सी कारोबार का करोबार बनाया और इसकी प्रमुख रहीं। इससे पहले उन्होंने हेड (बिजनेस डेवलपमेंट) की भूमिका में रहते हुए वितरण कारोबार को संगठित किया। अपने करियर के शुरूआती दौर में कोमल आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस में सेल्स और वितरण से जुड़े लीडरशिप वाले पदों पर रहीं। वे कोटक लाइफ इंश्योरेंस और इंडियाबुल्स में भी काम कर चुकी हैं।

डीएसपी एसेट मैनेजर्स के एमडी और सीईओ कल्पेन पारेख ने कहा, वितरण हमारे लिए केवल विकास का माध्यम नहीं है। यह भागीदारों के साथ दीर्घकालिक संबंधों के जरिए निवेशकों का भरोसा कायम रखने का तरीका है। जैसे-जैसे निवेशकों की जरूरतें बदल रही हैं, वैसे-वैसे हमें अपने वितरण तंत्र को समर्थन देने और उसके साथ जुड़ने के तरीके भी बदलने होंगे।

एगिलिसियम ने लगातार 10वें साल 'इंक 5000' रैंकिंग में जगह बनाई

बुंबई। लाइफ साइंसेज क्षेत्र की दुनिया की इकलौती कॉन्टेक्स्ट-सेंट्रिक एआई कंसल्टिंग और सर्विसेज कंपनी, एगिलिसियम ने आज अमेरिका की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्राइवेट कंपनियों की प्रतिष्ठित 2026 इंक. 5000 सूची में शामिल होने की घोषणा की है। कंपनी संपूर्ण मॉलीक्यूल-टु-मार्केट वैल्यू चेन में व्यावसायिक बदलाव लाने के काम में जुटी हुई है। यह मान्यता इस सूची में एगिलिसियम का लगातार 10वां वर्ष है, जो पिछले एक दशक से कंपनी की निरंतर वृद्धि, अनुशासित कार्यशैली, उद्देश्यपूर्ण नवाचार और ग्राहकों के अटूट भरोसे को दशार्ती है।

पिछले 10 वर्षों में एगिलिसियम ने तकनीक और ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुसार खुद को ढाला है, एनालिटिक्स और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन से लेकर क्लाउड, डेटा, एआई और अब लाइफ साइंसेज के लिए कॉन्टेक्स्ट-सेंट्रिक एआई तक। एगिलिसियम की इस तरक्की की मुख्य वजह उद्योग की गहरी समझ को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर लाइफ साइंसेज वैल्यू चेन की जटिल समस्याओं को सुलझाना और बेहतर नतीजे देना रहा है।

अपनी इसी यात्रा को आगे बढ़ाते हुए, एगिलिसियम ने अपना फॉरवर्ड डिप्लॉयमेंट एक्सपीरियंस पेश किया है। यह एआई से होने वाले बदलावों को तेज करने के लिए विशेषज्ञों, एआई एजेंट्स और सेवाओं को एक साथ लाता है। कंपनी के खास एलेक्जेंड्रिया एआई इंजन पर आधारित, FDXe उद्योग की समझ और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को मिलाकर टीमों को विचार से लेकर काम करने वाले एआई एजेंट्स तैयार करने में लगभग 60 दिनों का समय देता है। एगिलिसियम के संस्थापक और सीईओ, राज बाबू ने कहा, इंक. 5000 लिस्ट में लगातार 10 साल तक जगह बनाना सिर्फ एक रैंकिंग नहीं है। यह हमारे लोगों, क्षमताओं और बेहतर परिणाम देने की हमारी प्रतिबद्धता पर ग्राहकों के भरोसे को दिखाता है। हमारी लगातार नए बदलाव करने और अनुशासन के साथ काम करने की क्षमता इस यात्रा का मुख्य हिस्सा रही है, और मैं अपने कर्मचारियों, ग्राहकों, पार्टनर्स और सलाहकारों का दिल से आभारी हूँ जिन्होंने इसे संभव बनाया।

एगिलिसियम के सीओओ और सीएआईआईओ, अरुण कुमार अर्जुनन ने कहा, फाउंडिंग टीम का हिस्सा होने के नाते, मुझे इस उपलब्धि पर बहुत गर्व है, यह एक दशक की वृद्धि, बदलाव और ग्राहकों के साथ बने भरोसे का प्रतीक है। आगे देखते हुए, एआई का अगला दौर इस बात से तय होगा कि कंपनियां तकनीक को कितनी समझदारी से बिजनेस के फायदों में बदलती हैं। FDXe दिखाता है कि कैसे हम गहरी समझ और तकनीक को व्यापार की जरूरतों के करीब ला रहे हैं, ताकि नए विचारों को तेजी से इनोवेशन से बेहतर नतीजों में बदला जा सके। एगिलिसियम अब अपनी वृद्धि के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, ऐसे में कंपनी एआई में होने वाली प्रगति को व्यावहारिक और बड़े पैमाने पर लागू होने वाली क्षमताओं में बदलने पर लगातार ध्यान दे रही है। इससे उद्योग की समझ, तकनीक और निष्पादन को वास्तविक व्यावसायिक जरूरतों के और करीब लाया जा सकेगा।

क्षाबंधन के मौके पर कैरेटलेन कैंपेन लॉन्च

मुंबई। कैरेटलेन ने रक्षाबंधन के मौके पर अपना नया कैंपेन लॉन्च किया है। जिंदगी के हर मोड़ पर एक-दूसरे का साथ निभाने वाले और बिना कहे ही दिल की बात समझने वाले भाई-बहन के अनोखे रिश्ते को इसमें दिखाया गया है। POV: भाई नोज बेस्ट नाम की यह शॉर्ट फिल्म भाई-बहन की खट्टी-मीठी नोकझोंक और उनके प्यार को बड़े ही मजेदार तरीके से पेश करती है। यह फिल्म इस बात को बखूबी दिखाती है कि कैसे एक भाई, अपनी बहन के बोलने से पहले ही उसकी पसंद-नापसंद को अच्छी तरह समझ लेता है। रक्षाबंधन पर आधारित इस फिल्म में ऑन-स्क्रीन भाई-बहन बने अश्लेषा ठाकुर और वेदांत सिन्हा के बीच की नोकझोंक और गहरे रिश्ते को दिखाया गया है। कहानी में बहन अपने भाई को चिढ़ाती है, जिसके बाद भाई अपनी बहन के लिए एक परफेक्ट गिफ्ट ढूंढने की कोशिश करता है। यह फिल्म उन छोटी-छोटी बातों और पुरानी यादों को दिखाती है, जो भाई-बहन के इस रिश्ते को खास बनाती हैं। कैरेटलेन के मैनेजिंग डायरेक्टर सौमेन भौमिक ने कहा, भाई-बहन के रिश्ते में सालों पुरानी नोकझोंक, मजाक और अनगिनत छोटी-छोटी यादें होती हैं। इस फिल्म के जरिए हम इसी जाने-पहचाने रिश्ते को वास्तविक और भरोसेमंद तरीके से दिखाना चाहते थे।

एक छत के नीचे पूरा पुलिस प्रशासन, 64 करोड़ से बनेगा 10 मंजिला भवन

वाराणसी। कमिश्नरेट पुलिस की प्रशासनिक व्यवस्था अब बिखरे कार्यालयों से निकलकर एकीकृत स्वरूप लेने जा रही है। गुरुवार को प्रदेश के मंत्री रविन्द्र जायसवाल और पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कमिश्नरेट वाराणसी के नवीन पुलिस प्रशासनिक भवन के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। करीब 64.03 करोड़ रुपये की लागत से 1.35 लाख वर्गफीट क्षेत्रफल में दस मंजिला अत्याधुनिक भवन तैयार किया जाएगा। भवन में कमिश्नरेट के प्रमुख पुलिस अधिकारियों से लेकर विभिन्न शाखाओं और प्रकोष्ठों के कार्यालय एक ही छत के नीचे होंगे। मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने कहा कि नए भवन से पुलिस प्रशासन को आधुनिक, समेकित और अधिक प्रभावी स्वरूप मिलेगा। वहीं पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा कि एक ही परिसर में अधिकारियों और शाखाओं के आने से शिकायतों के निस्तारण, मॉनीटरिंग और निर्णय प्रक्रिया में अभूतपूर्व तेजी आएगी। इसका सीधा लाभ आमजन को मिलेगा। नवीन भवन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता आमजन की सुविधा को केंद्र में रखना है। आरटीआई, जनशिकायत प्रकोष्ठ, पासपोर्ट सेल और चरित्र सत्यापन जैसे सीधे जनता से जुड़े महत्वपूर्ण प्रकोष्ठ भूतल पर होंगे। आगंतुकों के लिए प्रतीक्षालय और कैंटीन की भी व्यवस्था रहेगी। इससे किसी शिकायत या काम के लिए लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम होगी। भवन में एडीजी जोन और आईजी रेंज के कार्यालय भी संचालित होंगे। वरिष्ठ अधिकारियों और कमिश्नरेट के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने से पुलिस व्यवस्था की मॉनीटरिंग और प्रशासनिक निर्णयों में तेजी आने की उम्मीद है। विभिन्न विशेष शाखाओं और प्रकोष्ठों के लिए अलग कार्यालय भी प्रस्तावित हैं।

दस मंजिला भवन में बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और प्रथम से अष्टम तल तक कार्यालय एवं सुविधाएं विकसित की जाएंगी। बेसमेंट में करीब 37 कारों की पार्किंग का प्रावधान है। भवन को आधुनिक पुलिसिंग की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। प्रस्तावित भवन में मीडिया सेल, ट्रेनिंग सेंटर, तकनीकी केंद्र, सर्वर रूम और कंट्रोल रूम जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं होंगी। इससे पुलिस की डिजिटल कार्यप्रणाली, सूचनाओं के आदान-प्रदान और निगरानी व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। विभागीय प्रशिक्षण और कार्यक्रमों के लिए अष्टम तल पर करीब 150 लोगों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम भी प्रस्तावित है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा कि सभी प्रमुख अधिकारी और शाखाएं एक परिसर में होने से समन्वय बेहतर होगा और निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी।

पालतू पशु भी हैं परिवार का हिस्सा! बजाज जनरल इंश्योरेंस का माय फैमिली कम्प्लीट हेल्थ कवर इन्हें देता है सदस्य का दर्जा

पुणे। बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व में बजाज आल्यिांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से प्रचलित) भारत की अग्रणी प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी है और इसने आज माय फैमिली कम्प्लीट नामक हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट के शुभारंभ की घोषणा की है। इस अनूठे प्रोडक्ट में परिवार की अवधारणा का विस्तार करते हुए इसमें आपके पालतू पशुओं यानी कुत्ते और बिल्लियों को भी शामिल किया गया है। इस खास प्लान के तहत परिवार के सदस्यों और आपके प्यारे से पालतू पशु के लिए अब आपको अलग से पॉलिसी नहीं लेनी पड़ेगी। आसान शब्दों में समझें, तो इस प्लान में आपके पालतू पशु को भी परिवार के सदस्य की तरह शामिल किया जाता है, जिससे कि एक ही स्वास्थ्य सुरक्षा प्लान के तहत पूरे परिवार को कवरेज मिलती है। यह प्लान ?5 लाख से लेकर ?5 करोड़ तक का इंश्योरेंस कवर और पांच साल तक की सुविधाजनक पॉलिसी अवधि का विकल्प पेश करता है। इसमें इलाज के खर्च के साथ-साथ तय नकद राशि भी मिलती है, जिससे कि इंश्योरेंस कवर का बेहतर लाभ मिलता है।

माय फैमिली कम्प्लीट को आपके परिवार के हर सदस्य को सुरक्षित करने के मकसद से बनाया गया है। इसमें 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के वयस्क, 3 महीने से 30 वर्ष तक की उम्र के आश्रित बच्चे, साथ ही 3 महीने तक की उम्र के पालतू कुत्ते और बिल्लियां भी शामिल हैं। ध्यान दें कि पालतू पशुओं के लिए उम्र की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं की गई है। इस प्लान में अस्पताल में भर्ती होने से जुड़े जरूरी खर्च के साथ-साथ कमरे का किराया, सड़क मार्ग से एम्बुलेंस सेवा के साथ-साथ पालतू पशु के लिए भी एम्बुलेंस सेवा, अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद में देखभाल का खर्च, घर पर इलाज की सुविधा, आधुनिक इलाज की तकनीक के साथ-साथ इंसानों के लिए आयुष उपचार के तहत अस्पताल में भर्ती होने का खर्च, अंगदाता से जुड़े खर्च और परिवार के सदस्य से अस्पताल में मिलने आने पर होने वाले यात्रा खर्च की भरपाई भी की जाती है। ग्राहकों को कवरेज राशि को अनगिनत बार दोबारा इस्तेमाल करने की सुविधा मिलती है यानी हर बार कवरेज खत्म होने पर अस्पताल के खर्चों के लिए यह सहूलियत फिर से उपलब्ध हो जाती है। इसके अलावा, 100% तक का बोनस, मोतियाबिंद के इलाज का खर्च और तय रिकवरी लाभ भी मिलता है। अगर किसी व्यक्ति या पालतू पशु को लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़े, तो कवरेज राशि का 1% रिकवरी लाभ के तौर पर दिया जाता है।

माय फैमिली कम्प्लीट में बुनियादी कवरेज के साथ-साथ पालतू पशुओं के लिए खास सहूलियतें भी पेश की गई हैं। इसमें आपके पालतू पशु के खो जाने पर उसे ढूंढने के लिए दिए गए इश्तिहार और ईनाम की रकम की भरपाई की जाती है। अगर पेट पैरेंट अस्पताल में भर्ती हैं, तो ऐसे समय में पालतू पशु के लिए आपातकालीन रहने की व्यवस्था की भरपाई की जाती है। इसके अलावा, अगर आपके पालतू पशु की वजह से किसी दूसरे व्यक्ति को चोट लगती है, मृत्यु हो जाती है या संपत्ति का नुकसान होता है, तो इसे भी थर्ड-पार्टी लायबिलिटी कवर के अंतर्गत कवर किया जाता है। कुल मिलाकर देखें, तो ये खास सहूलियतें इंसान और पालतू पशु दोनों की जरूरतों का ख्याल रखती हैं, जिससे कि एक ही हेल्थ इंश्योरेंस प्लान में पूरे परिवार को शानदार सुरक्षा कवच मिलता है। माय फैमिली कम्प्लीट में कई अतिरिक्त सहूलियतें पेश की गई हैं, जिससे कि परिवार अपनी बदलती जरूरतों के मुताबिक अपने हिसाब से प्लान चुन सकते हैं। ग्राहक पुख्ता सुरक्षा के लिए इंसान और पालतू पशु के लिए एयर एम्बुलेंस कवर, गंभीर बीमारी और दुर्घटना के लिए अतिरिक्त कवर, दोगुनी इंश्योरेंस राशि और खुशियों की सौगात जैसे अनगिनत विकल्प चुन सकते हैं। ध्यान दें कि खुशियों की सौगात सुविधा के अंतर्गत आपके नवजात शिशु के जन्म के साथ-साथ पालतू पशु के बच्चे के जन्म पर भी एक तय राशि पेश की जाती है। इन अतिरिक्त सहूलियतों के अलावा, विदेश में योजनाबद्ध तरीके से उपचार और इमरजेंसी के दौरान इलाज कराने के लिए ग्लोबल कवर जैसी सुविधा पेश की गई है। जहां कंज्यूमेबल प्लस में जेब से होने वाले खर्चों को कम करने में मदद मिलती है, वहीं हेल्थ लिमिटलेस में सालाना क्लेम की चिंता किए बिना एक क्लेम का भरपूर फायदा उठाया जा सकता है। इतना ही नहीं, एनआरआई और ओसीआई के लिए NRInsure के तहत प्रीमियम में छूट मिलती है और तय कदमों की संख्या पूरी करने पर पॉलिसी रिन्यूअल के दौरान प्रीमियम में डिस्काउंट जैसी सहूलियत का भी फायदा मिलता है।